वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 85 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शनिवार 23 मई 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

पाकिस्तान में फ्लाइट क्रैश, सभी 107 लोगों की मौत

पाकिस्तान में विमान हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख, घायलों के जल्द ठीक होने की कामना

(विशेष संवाददाता)

लाहौर/नई दिल्ली। पाकिस्तान के कराची के रिहाइशी इलाके में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में यात्री और आठ चालक सदस्यसहित 107 लोग सवार थे। सभी लोगों की मौत हो गई। जिस कॉलोनी में जहाज गिरा वहां कई घरों और सड़क पर खड़े वाहनों में आग लग गई।

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित मॉडल टाउन इलाके के निकट विमान लैंडिंग से ठीक पहले हादसे का शिकार हो गया। विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद कॉलनी में धुएं का गुबार देखा गया। हादसे के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। पीआईए प्रवक्ता अब्दुल सत्तार ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान लाहौर से कराची आ रहा था।

बताया जा रहा है कि कराची में लैंड करने से पहले पीआईए के ए 320 विमान के दोनों इंजन फेल हो गए थे। जहाज 15 वर्ष पुराना था। जहाज का 2.37 बजे अंतिम बार एटीसी से संपर्क हुआ था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने हादसे पर दुख जताया है और दुर्घटना को लेकर जांच के आदेश दिए हैं।

फुटेज में दुर्घटनास्थल से धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। निवासियों की मदद के लिए एंबुलेंस और बचाव अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। इंटरसर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक बयान में कहा गया कि सेना की त्वरित प्रतिक्रिया बल और सिंध पाकिस्तान रेंजर्स नागरिक प्रशासन के साथ राहत और बचाव के प्रयासों के लिए साइट पर पहुंचे।

आपको बता दें कि इसी साल जनवरी में अफगानिस्तान के पूर्वोत्तर गजनी प्रांत में सोमवार को स्थानीय समय के अनुसार दोपहर करीब डेढ़ बजे सरकारी एयरलाइंस कंपनी एरियाना अफगान का विमान क्रैश हो गया गया था। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी थी कि विमान में कम से कम 80 लोग सवार थे, जबकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इसमें 100 लोगों के सवार होने की बात कही थी।

उधर, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने विमान हादसे पर दुख जताते हुए कहा अधिकतर लोगों के जान बचने की उम्मीद जताई। उन्होंने ट्वीट किया, पाकिस्तान में विमान हादसे के बारे में जानकर दुख हुआ जिसमें कई

जानें चली गईं। कुछ लोगों के बचने की खबर आशा की एक किरण दिखाती है। मैं आज रात तक कई लोगों के बचने की खबर आने की कामना करता हूं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे कहा, जिनके परिजन मारे गए, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदना। नागर विमानन प्राधिकरण (सीएए) ने कोरोना वायरस महामारी की वजह से कई हफ्तों के लॉकडाउन के बाद कुछ दिनों पहले ही सीमित मात्रा में घरेलू उड़ानों की इजाजत दी थी। पाकिस्तानी न्यूज चैनलों में दिखाया जा रहा है कि जिस जगह यह दुर्घटना हुई वहां कुछ घरों और कारों को नुकसान पहुंचा है। बचावकर्मी और पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बर्बाद हुए घरों से अब तक कम से कम चार शव मिल चुके हैं जबकि कई घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

मौके पर आर्मी और एयरफोर्स

सीएए ने कहा कि पाकिस्तानी सेना और वायु सेना ने बचाव और राहत अभियान में मदद के लिए अपने दल भेजे हैं। पीआईए का विमान कैप्टन सज्जाद गुल उड़ा रहे थे। इस कालोनी के रहने वाले एक व्यक्ति ने एआरवाई न्यूज चैनल को बताया कि विमान के पंखों में आग लगी थी जो दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले कुछ घरों की छतों से टकराया। नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा कि इस हादसे में कितने लोगों की जान गई है लेकिनज्अगर यात्री या चालक दल इस क्रैश लैंडिंग में बच जाते हैं तो यह चमत्कार होगा। पाकिस्तान में 7 दिसंबर 2016 के बाद यह पहला बड़ा विमान हादसा है जब चित्राल से इस्लामाबाद आ रहा एक पीआईए एटीआर42 विमान बीच में ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार सभी 48 लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में गायक और ईसाई धर्म के प्रचारक जुनेद जमशेद भी शामिल थे। तस्वीरों में घटनास्थल से धुएं का गुबार उठता नजर आ रहा है।

PM मोदी ने घटना पर दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान इंटरनैशनल एयरलाइंस (पीआईए) के एक यात्री विमान के हादसे का शिकार होने पर दुख जताया है। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने कराची में हुए इस विमान हादसे पर ट्वीट किया, पाकिस्तान में विमान हादसे के कारण लोगों के मारे जाने से गहरा दुख हुआ। हमारी संवेदना मृतक के परिजनों के साथ है और हम घायलों के जल्दसेजल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

मोदी ने बंगाल के लिए एक हजार करोड़ के पैकेज की घोषणा की

(विशेष संवाददाता)

कोलकाता/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भीषण चक्रवाती तूफान 'अम्फान' से बुरी तरह प्रभावित पश्चिम बंगाल के लिए तत्काल एक हजार करोड़ रुपये की मदद की घोषणा की है। मोदी ने शुक्रवार को तूफान प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद यह घोषणा की।

मोदी ने राज्यपाल जगदीप धनखड़, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य सरकार के अन्य अधिकारियों के साथ बशीरहाट में एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'राज्य और केन्द्र सरकार चक्रवाती तूफान अम्फान से प्रभावित लोगों के साथ एकजुट होकर खड़ी हुई है।' मोदी ने कहा, 'पूरा देश आपके साथ खड़ा हुआ है। केन्द्र सरकार हर समय आपके साथ है।

मैं आप सभी लोगों से मिलने आया था लेकिन कोविड19 के कारण ऐसा संभव नहीं है। नुकसान कम से कम हो यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य और केन्द्र सरकार ने मिलकर काम किया है। हम करीब 70 लोगों की जिंदगी नहीं बचा सके जिसका हमें बहुत ही दुख है। दुख की इस घड़ी में हम मृतकों के परिजनों के साथ खड़े हुए हैं। केन्द्र की ओर से पश्चिम बंगाल को तत्काल एक हजार करोड़ रुपये की सहायता राशि मुहैया कराई जाएगी।' प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तूफान के कारण मरने वाले लोगों के परिजनों को केन्द्र सरकार की ओर से दोदो लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 5050 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। श्री मोदी ने कहा, 'हम एक ओर कोविड19 जैसी महामारी का सामना कर रहे हैं तो दूसरी ओर देश के कुछ क्षेत्रों में चक्रवाती तूफान के कारण पैदा हुई स्थिति है। इस महामारी से निपटने के लिए हमें शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करना होता है जबकि तूफान प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर ले जाना भी एक चुनौती है।' प्रधानमंत्री ने गत वर्ष मई महीने में ओडिशा में आए तूफान का उल्लेख करते हुए कहा, 'मई महीने में उस समय देश चुनावों में व्यस्त था और उसी दौरान ओडिशा में एक तूफान का भी सामना करना पड़ा। अब एक वर्ष बाद तूफान के कारण हमारे तटवर्ती इलाके बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। पश्चिम बंगाल के लोग इसके कारण बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं।

RBI ने फिर घटाई ब्याज दर, कर्ज किस्तें पर छूट

अर्थव्यवस्था को उबारने की कोशिश, कर्जदारों को कर्ज की किस्त चुकाने से तीन माह की छूट

(विशेष संवाददाता)

मुंबई। कोरोना वायरस के कारण लगातार सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिये रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को एक बार फिर प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.40 प्रतिशत की अप्रत्याशित कटौती कर दी। इसके साथ ही कर्जदारों को कर्ज की किस्त चुकाने से तीन माह की और छूट दे दी है। ऐसी आशंका है कि चार दशक से अधिक समय में पहली बार भारतीय अर्थव्यवस्था मंदी की तरफ बढ़ रही है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तय समय से पहले हुई बैठक में अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए रेपो दर में कटौती का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

समिति की पिछली बैठक मार्च अंत में हुई थी। तब भी रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 0.75 प्रतिशत की बड़ी कटौती की थी। तब पहली बार कर्ज किस्त के भुगतान पर तीन माह (मार्च मई 2020) की छूट दी गई थी जिसे अब तीन माह और बढ़ाकर अगस्त 2020 तक कर दिया है। आरबीआई ने निर्यात के लिए लदान से पहले और बाद में दिए जाने वाले कर्ज की समयसीमा को एक साल से बढ़ाकर 15 महीने कर दिया है, और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक को अपनी निवेश जरूरतें पूरी करने के लिए अतिरिक्त तीन महीने का समय दिया गया है। रेपो दर में 0.40 प्रतिशत कटौती के बाद यह घटकर चार प्रतिशत रह गई है, जबकि रिवर्स रेपो दर भी इतनी ही घटकर 3.35 प्रतिशत रह गई है।

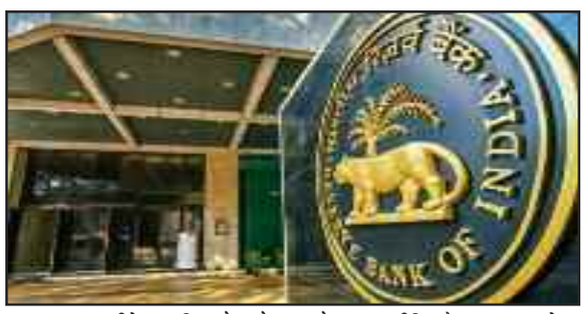

रेपो दर वर्ष 2000 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। दास ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है और मुद्रास्फीति के अनुमान बेहद अनिश्चित हैं। उन्होंने कहा, दो महीनों के लॉकडाउन से घरेलू आर्थिक गतिविधि बुरी तरह प्रभावित हुई है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शीर्ष छह औद्योगिक राज्य, जिनका भारत के औद्योगिक उत्पादन में 60 प्रतिशत योगदान है, वे मोटे तौर पर लाल या नारंगी क्षेत्र में हैं। आर्थिक वृद्धि के अपने पहले आधिकारिक पूर्वानुमान में केंद्रीय बैंक ने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वित्त वर्ष 2020-21 में घट सकती है। कोरोना वायरस महामारी और इसके चलते लागू लॉकडाउन के कारण ऐसा होगा। कोरोना वायरस महामारी शुरू होने से पहले ही भारतीय अर्थव्यवस्था सुस्ती के दौर से गुजर रही थी और तब 2019-20 में जीडीपी वृद्धि दर 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान था। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि मांग में गिरावट के संकेत मिल रहे हैं और बिजली तथा पेट्रोलियम उत्पादों की मांग घटी है। गवर्नर ने कहा कि सबसे अधिक झटका निजी खपत में लगा है, जिसकी घरेलू मांग में 60 फीसदी हिस्सेदारी है। दास ने कहा कि मांग में कमी और आपूर्ति में व्यवधान के चलते चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। उन्होंने कहा कि 202021 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियों में कुछ सुधार की उम्मीद है। दास ने कहा कि कोरोना वायरस संकट के कारण कर्ज अदायगी पर स्थगन को तीन महीने और बढ़ा दिया है। अब कर्जदारों को अगस्त तक अपने कर्ज की किस्त चुकाने की अनिवार्यता नहीं है रिजर्व बैंक की तरफ से उन्हें राहत दे दी गई है। इससे पहले मार्च में केंद्रीय बैंक ने एक मार्च 2020 से 31 मई 2020 के बीच सभी सावधि ऋण के भुगतान पर तीन महीनों की मोहलत दी थी। इसके साथ ही इन तरह के सभी ऋणों की अदायगी को तीन महीने के लिए आगे बढ़ा दिया गया था। दास ने कहा कि छह महीने के ऋण स्थगन को सावधि ऋण में बदला जा सकता है। आरबीआई ने कहा कि कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते आर्थिक गतिविधियां बाधित होने से भारत की जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2020-21 में नकारात्मक रहेगी।

24 घंटे में 6088 नए मामलों, 148 लोगों की मौत

संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,18,447, मृतक संख्या हुई 3,583

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण 148 और लोगों की मौत हो जाने के बाद देश में इस घातक वायरस से मरने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 3,583 हो गई है जबकि संक्रमण के एक दिन में अब तक के सर्वाधिक 6,088 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,18,447 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे से 148 लोगों की इस वायरस के कारण मौत हो गई और 6,088 नए मामले सामने आए।

उसने बताया कि देश में 66,330 संक्रमित लोगों का उपचार चल रहा है, संक्रमित हुए 48,533 लोग अब स्वस्थ हो गए हैं और एक मरीज विदेश चला गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''अभी तक करीब 40.97 प्रतिशत मरीज संक्रमण से उबर चुके हैं।'' जिन लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई हैं, उनमें विदेशी भी शामिल हैं। बृहस्पतिवार सुबह से संक्रमण के कारण जिन 148 लोगों की मौत हुई

है, उनमें महाराष्ट्र के 64, गुजरात के 24, दिल्ली के 18, उत्तर प्रदेश के 11, तमिलनाडु के सात, पश्चिम बंगाल के छह, तेलंगाना के पांच, राजस्थान के चार, मध्यप्रदेश के तीन, जम्मूकश्मीर के दो और बिहार, ओडिशा, हरियाणा और पंजाब का एकएक व्यक्ति शामिल है। तेलंगाना में कुल मृतक संख्या 45, कर्नाटक में 41 और पंजाब में 39 हो गई है। जम्मूकश्मीर में इस बीमारी से 20, हरियाणा में 15, बिहार में 11, ओडिशा में सात और केरल एवं असम में चारचार लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि झारखंड, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में तीनतीन लोग इस संक्रमण के कारण जान गंवा चुके हैं जबकि मेघालय और उत्तराखंड में एकएक व्यक्ति की मौत हुई है। मंत्रालय ने बताया कि मृतकों में से 70 प्रतिशत लोग किसी न किसी अन्य बीमारी से भी पीड़ित थे। देश में महाराष्ट्र में सर्वाधिक संख्या में लोग संक्रमित पाए गए हैं, जहां संक्रमण के 41,642 मामले हैं, इसके बाद तमिलनाडु में 13,967, गुजरात में 12,905, दिल्ली में 11,659 , राजस्थान में 6,227, मध्य प्रदेश में 5,981 और उत्तर प्रदेश में 5,515 मामले सामने आए हैं। कोविड19 मामलों की संख्या पश्चिम बंगाल में 3,197, आंध्र प्रदेश में 2,647 और पंजाब में 2,028 हो गई है। संक्रमण के मामले बिहार में 1,982, तेलंगाना में 1,699, कर्नाटक में 1,605, जम्मूकश्मीर में 1,449 और ओडिशा में 1,103 तक पहुंच गये हैं।

महाराष्ट्र में बिगड़े हालात, रेकॉर्ड 2940 केस बढ़े

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस हर दिन नए रेकॉर्ड बना रहा है। पिछले 24 घंटे में 2940 नए कोरोना संक्रमित सामने आए हैं। यह एकदिन में कोरोनामरीजों की सबसे ज्यादा संख्या है। अब राज्य में कोरोना के कुल मरीजों की संख्या 44,582 हो गई है। राज्य में पुलिस भी कोरोना से बुरी तरह जूझ रही है। महाराष्ट्र पुलिस के 1666 पुलिसकर्मी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं, जिसमें से 18 की मौत हो चुकी है।

राज्य में शुक्रवार को कोरोना के कुल 63 मरीजों की मौत हो गई। इस प्रकार राज्य में कोरोना से मरने वालों की संख्या अब 1517 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह लगातार छठा दिन है, जब महाराष्ट्र में दो हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। अब तक राज्य में कुल 12583 मरीज ठीक हो चुके हैं और कुल 30474 ऐक्टिव केस बचे हैं। राज्य में 332777 लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा चुका है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1751 मामले सामने आए और कुल 27 मरीजों की मौत हो गई।

अम्फानः बंगाल में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 77 हुआ

(विशेष संवाददाता)

कोलकाता/नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में चक्रवाती तूफान अम्फान में मरने वाले की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 77 हो गई है। आपदा प्रबंधन और नगर प्रशासन अधिकारी सामान्य जन जीवन बहाल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्थिति का जायजा लेने के लिए पहुंच चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ स्थिति की समीक्षा करेंगे और फिर ओडिशा के लिए रवाना होंगे, जहां वह मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मिलेंगे। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के अलग अलग हिस्सों से बृहस्पतिवार रात से पांच और शव बरामद हुए हैं।

इसके बाद राज्य में मृतकों की संख्या बढ़कर 77 हो गई है।मोदी और बनर्जी चक्रवात से तबाह हुए इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री के साथ समीक्षा बैठक में, बनर्जी राज्य के लिए आर्थिक पैकेज की मांग करेंगी और इस मांग को दोहराएंगी कि चक्रवात को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। चक्रवात अम्फान ने राजधानी कोलकाता समेत पश्चिम

बंगाल के करीब आधा दर्जन जिलों में बुधवार रात तबाही मचाई है। इसके प्रकोप से झुग्गियां उड़ गई, हजारों पेड़ गिर गए और निचले इलाकों में पानी भर गया। इस वजह से लाखों लोग बेघर हो गए।राजधानी और उत्तर तथा दक्षिण 24 परगाना के कुछ हिस्सों में मोबाइल और बिजली सेवा को बहाल किया गया, लेकिन शहर का बड़ा हिस्सा अब भी बिजली के बिना रह रहा है, क्योंकि बिजली के खंभे गिर पड़े हैं और संचार लाइनें कट गई हैं।प्रधानमंत्री कार्यालय ने बृहस्पतिवार रात एक ट्वीट में कहा, ' वह हवाई सर्वेक्षण करेंगे और समीक्षा बैठक में हिस्सा लेंगे, जहां राहत और पुनर्वास के पहलुओं पर चर्चा होगी।'बनर्जी ने बृहस्पतिवार को मृतकों के परिजन को दोदो लाख रुपये और प्रभावित इलाकों में प्राथमिक बहाली कार्य के लिए एक हजार करोड़ रुपये के कोष का ऐलान किया था।अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता में 19, उत्तर 24 परगना में 17, दक्षिण 24 परगना सुंदरबन क्षेत्र में 24 और बसीरहाट में 10 लोगों की मौत हुई है। जिलों में राहत का काम शुरू किया गया है, जहां बेसहारा लोग खाने और आश्रय के लिए कतारों में खड़े हैं, क्योंकि घर या तो उड़ गए हैं या बह गए हैं। एनडीआरएफ और राज्य आपदा राहत बल (एसडीआरएफ) की टीमें सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही हैं।

दिल्ली एक्सप्रेस

वूमेन एक्सप्रेस

एक नजर

पर्यावरण नियमों को नहीं मानने वालों को खामियाजा भुगतना होगा: जावड़ेकर

नई दिल्ली। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने जैव विविधता के संरक्षण के लिए शुक्रवार को कई कार्यक्रमों की शुरुआत की तथा कहा कि पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वालों को इसका खामियाजा भुगतना होगा। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के मौके पर एक वेबीनार में जावड़ेकर ने स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक इंटर्नशिप कार्यक्रम, दो जागरूकता कार्यक्रमों और एक मॉडेल कॉप (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज) की शुरुआत की तथा जैवविविधता वेबीनार श्रृंखला का एक बुकलेट लॉन्च किया। मॉडेल कॉप में हिस्सा लेने वाली एक छात्रा के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि आम लोग भी पर्यावरण नियम नहीं मानने वाली कंपनियों की पोल खोलकर पर्यावरण तथा जैव विविधता के संरक्षण में योगदान दे सकते हैं।

जंगपुरा एक्सटेंशन में महिला से दुष्कर्म

नई दिल्ली। कोरोना के कहर के बीच दिल्ली के पॉश इलाके जंगपुरा एक्सटेंशन में हुई दुष्कर्म की घटना ने पुलिस की नींद उड़ा रखी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस हालांकि पीड़िता के बयानों की भी पुख्ताई से जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता जंगपुरा एक्सटेंशन में किराये के कमरे में रहती है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि रात के वक्त वह घर की बालकनी में खड़ी होकर मोबाइल पर वीडियो देख रही थी, उसी वक्त एक नकाबपोश शख्स कमरे में पहुंच गया। दर्ज मामले के मुताबिक, आरोपी ने चाकू से डराकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, भागते समय वह पीड़िता से एटीएम कार्ड भी छीनने लगा। जब पीड़िता ने एटीएम कार्ड का पिन नहीं बताया, तब आरोपी ने पीड़िता के साथ मारपीट की। पीड़िता ने पुलिस के पास पहुंचकर खुद को पेशे से वकील बताया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इसके बाद जो छानबीन शुरू हुई है, उसमें कई पेंच भी पूरे मामले में निकल कर सामने आ रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, मौका मुआयना और पीड़िता के बयानों को जोड़कर कड़ी से कड़ी मिलाने की कोशिश जारी है।

तबलीगी जमात के विदेशी नागरिकों को छोड़ने की मांग पर स्टेटस रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के कार्यक्रम के बाद क्वारंटाइन में रखे गए 916 विदेशी नागरिकों को छोड़ने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। जस्टिस नवीन चावला की बेंच ने इस मामले को डिवीजन बेंच में सुनवाई के लिए ट्रांसफर कर दिया. इस मामले पर अगली सुनवाई 26 मई को होगी. याचिका मोहम्मद जमाल ने दायर की है. याचिकाकर्ता की ओर से वकील अशीमा मंडला ने याचिका में कहा है कि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग ने पिछले 9 मई को एक 916 विदेशी नागरिकों को दिल्ली पुलिस को सौंपने का आदेश दिया. इन विदेशी नागरिकों का एक महीने का क्वारंटाइन पूरा हो चुका है. याचिका में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस को सौंपने का आदेश संविधान की धारा 14, 21 और 22 का उल्लंघन है. याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि इन विदेशी नागरिकों को छोड़ने का आदेश जारी किया जाए। याचिका में कहा गया है कि रमजान का महीना चल रहा है और ईद काफी नजदीक है। ऐसे में उन विदेशी नागरिकों को आईसोलेशन में रखना संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

पहली बार एक ही दिन में 660 नए मामले, 14 की मौत

राजधानी दिल्ली में 12 हजार के पार कोरोना संक्रमित के मरीज

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामले रोजाना रिकॉर्ड बना रहे हैं। दिल्ली में एक ही दिन में अब तक के सबसे ज्यादा मामले शुक्रवार को दर्ज किए गए।

दिल्ली सरकार की तरफ से जारी आंकड़े के अनुसार, पिछले 24 घंटे में दिल्ली में 660 नए कोरोना के मरीज पॉजिटिव आए हैं। इसके साथ ही मरीजों की संख्या बढ़कर 12319 हो गई है।

दिल्ली सरकार की तरफ से जारी किए गए आंकड़े के अनुसार, पिछले 24 घंटे में 14 कोरोना मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही मरने वाली की संख्या बढ़कर 208 हो गई है। राजधानी में अब तक 5897 मरीज इलाज के बाद ठीक होकर घर जा चुके हैं। दिल्ली में अब 6214 एक्टिव मामले हैं जिनका इलाज

अस्पतालों में चल रहा है।

बता दें कि दिल्ली में कोरोना के नए मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखी जा रही है। इससे पहले बृहस्पतिवार को 571 नए मामले सामने आए। यह एक दिन में अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा था। इससे पहले बुधवार को 534 मामलों की पुष्टि हुई थी। जबकि इसके एक दिन पहले 500 मामले सामने आए थे।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक 50 वर्षीय सहायक उपनिरीक्षक (एएसआइ) की कोरोना से मौत हो गई। मृतक एएसआइ पंचदेव राम लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में भर्ती थे। वह बिहार के सिवान जिले के रहने वाले थे और लिवर कैंसर से पीड़ित थे। वह जम्मू में सीआरपीएफ की 84 वीं बटालियन में थे। उनका परिवार लखनऊ में रहता है।

यह देश की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बल में महामारी से जुड़ी दूसरी मौत है। सीआरपीएफ में बृहस्पतिवार को संक्रमण के नौ नए मामले सामने आए हैं और कोरोना वायरस से संक्रमित सक्रिय मामलों की संख्या अब 121 हैं। सीआरपीएफ के प्रवक्ता ने बताया कि एएसआइ की मौत से पहले 31वीं बटालियन के एक 55 वर्षीय सब इंस्पेक्टर की कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण मौत हो गई थी। अब तक सीआइएसएफ के तीन और सीआरपीएफ और बीएसएफ के दोदो जवानों की मौत कोरोना के कारण हो चुकी है।

होम आइसोलेशन में हैं 46.43 मरीज

कोरोना के मामले बढ़ने के कारण हल्के लक्षण या बगैर लक्षण वाले कोरोना संक्रमित ज्यादातर लोग अब कोविड केयर सेंटर या कोविड हेल्थ सेंटर में भर्ती नहीं किए जा रहे हैं। इस वजह से घर में रहकर इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। मौजूदा समय में 46.43 फीसद (2739) सक्रिय संक्रमित मरीज होम आइसोलेशन में हैं।

एम्स के डॉक्टरों की शव में कोरोना के जिंदा रहने की अवधि का अध्ययन करने की योजना

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। एम्स के डॉक्टर यह अध्ययन करने के लिए कोविड19 से मरने वाले व्यक्ति का पोस्टमार्टम करने पर विचार कर रहे हैं कि कोरोना वायरस संक्रमण कितने समय तक किसी शव में रह सकता है और क्या इससे संक्रमण का फैलाव हो सकता है। दिल्ली के अस्पताल के फॉरेंसिक प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता ने कहा कि इस अध्ययन से यह पता लगाने में भी मदद मिलेगी कि विषाणु कैसे मानव अंगों पर असर डालता है। इस अध्ययन में रोग विज्ञान और अणुजीव विज्ञान जैसे कई और विभाग भी शामिल होंगे। डॉ. गुप्ता ने कहा, ''यह अपने आप में पहला अध्ययन होने जा रहा है और इसलिए सावधानीपूर्वक इसकी योजना बनानी होगी। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि वायरस शरीर पर क्या असर डालता है। साथ ही इससे यह भी पता चलने में मदद मिलेगी कि कोरोना वायरस किसी मृत शरीर में कितने समय तक रह सकता है।''किसी शव में वायरस धीरेधीरे खत्म होता है लेकिन अभी शव को संक्रमण मुक्त घोषित करने के लिए कोई निश्चित समय सीमा नहीं है। शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान संस्था आईसीएमआर ने मंगलवार को कहा था कि कोरोना वायरस से मरने वाले लोगों का बिना चीरफाड़ किए पोस्टमार्टम करने की तकनीक अपनाने की सलाह दी जाती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने कहा था कि कोविड19 से मरने वाले लोगों में फॉरेंसिक पोस्टमार्टम के लिए चीर फाड़ करने वाली तकनीक का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे मुर्दाघर के कर्मचारियों के अत्यधिक एहतियात बरतने के बावजूद शव में मौजूद द्रव तथा किसी तरह के स्राव के संपर्क में आने से इस जानलेवा रोग की चपेट में आने का खतरा हो सकता है।

दिल्ली उच्च न्यायालय, जिला अदालतों के कामकाज पर 31 मई तक पाबंदी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। कोविड19 के मद्देनजर दिल्ली उच्च न्यायालय और जिला अदालतों के कामकाज पर पाबंदियां 31 मई तक जारी रहेंगी और केवल तत्काल मामलों पर ही सुनवाई होगी। इससे पहले ये पाबंदियां 23 मई तक लागू थीं।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल के नेतृत्व में उच्च न्यायालय की प्रशासनिक और आम पर्यवेक्षण समिति ने फैसला किया है कि पाबंदियां 31 मई तक जारी रहेंगी और वीडियो कांफ्रेंस के जरिए केवल तत्काल मामलों पर ही सुनवाई होगी। प्रशासनिक आदेश में कहा गया है, ''दिल्ली उच्च न्यायालय का कामकाज समान शर्तों पर 31 मई तक निलंबित रहेगा।''तत्काल मामलों को वेब लिंक के जरिए सूचीबद्ध किया जा सकता है जो सभी कामकाजी दिनों में सुबह नौ बजे से साढ़े दस बजे तक उपलब्ध रहेगा। आदेश में कहा गया है कि पंजीयक और संयुक्त पंजीयक समेत उच्च न्यायालय में 26 मई से 30 मई तक सूचीबद्ध सभी मुकदमों की सुनवाई को क्रमशः 21 जुलाई और 25 जुलाई के बीच की तारीखों तक स्थगित किया जाता है। इसमें कहा

गया है कि इस अवधि के दौरान जिला अदालतों में सूचीबद्ध मामलों को भी स्थगित किया जाएगा और इस संबंध में सूचना उनकी वेबसाइट पर डाली जाएगी। तब तक दो खंडपीठ और 10 एकल पीठ वीडियो कांफ्रेंस के जरिए तत्काल मामलों पर सुनवाई करेंगी। तत्काल मामलों पर सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला किया गया है कि शुक्रवार से उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश वीडियो कांफ्रेंस के जरिए महत्वपूर्ण मामलों पर सुनवाई करने के लिए हर दिन उपलब्ध रहेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय और निचली अदालतों ने 24 मार्च से 19 मई के बीच कोविड19 लॉकडाउन के दौरान 20,726 तत्काल मामलों पर सुनवाई की। उच्च न्यायालय में मौजूदा समय में सात खंडपीठ और 19 एकल पीठ हैं। इससे पहले उच्च न्यायालय ने 25 मार्च को अपने और जिला अदालतों के कामकाज पर 14 अप्रैल तक रोक लगा दी थी। इसके बाद इसे तीन मई, 17 मई और फिर 23 मई तक बढ़ाया गया।

दिल्ली के बाजारों में ग्राहकों का टोटा

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के उपायों के बीच लॉकडाउन के चैथे चरण में दिल्ली में दी गई रियायतों का बाजारों पर कोई खास असर पड़ता नहीं दिखाई दे रहा है। दिल्ली सरकार ने बाजारों में दुकानों को सुबह सात से शाम सात बजे तक समविषम के आधार पर खोलने की अनुमति दी है, लेकिन दक्षिणी दिल्ली के कुछ नामी बाजार जैसे कि सरोजनी नगर मार्केट और लाजपतनगर सेंट्रल मार्केट के दुकानदार इन शर्तों की मार से परेशान हैं। क्योंकि ग्राहक बाजार से गायब हैं और दुकानदार दिनभर खाली बैठे रहते हैं। सामान्य दिनों में बाजारों की रौनक पहले जहां दोपहर के बाद शुरू होती थी और देर शाम तक ग्राहकों की भीड़ यहां अपने चरम रहती थी। ग्राहकों के अभाव में आज वहां सन्नाटा पसरा हुआ है। शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक लाजपतनगर सेंट्रल मार्केट में सिर्फ 10 प्रतिशत दुकानें खुली थीं। यही हाल सरोजनी मार्केट का भी था। जो दुकानें खुली हुई थीं उन पर भी ग्राहक नजर नहीं आ रहे थे।

लॉकडाउन पर सरकार के पास रणनीति नहीं सारी शक्तियां पीएमओ तक सीमित: सोनिया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लॉकडाउन से बाहर आने के लिए सरकार के पास कोई रणनीति नहीं होने का दावा करते हुए शुक्रवार को कहा कि संकट के इस समय भी सारी शक्तियां प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीमित हैं। प्रमुख विपक्षी दलों की वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई बैठक में उन्होंने यह भी कहा कि इस सरकार में संघवाद की भावना को भूला दिया गया है और विपक्ष की मांगों को अनसुना कर दिया गया। उन्होंने कहा, ''कोरोना वायरस के खिलाफ युद्ध को 21 दिनों में जीतने की प्रधानमंत्री की शुरुआती आशा सही साबित नहीं हुई। ऐसा लगता है कि वायरस दवा बनने तक मौजूद रहने वाला है। मेरा मानना है कि सरकार लॉकडाउन के मापदंडों को लेकर निश्चित नहीं थी। उसके पास इससे बाहर निकलने की कोई रणनीति भी नहीं है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा करने और फिर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पांच दिनों तक इसका ब्यौरा रखे जाने के बाद यह एक क्रूर मजाक साबित हुआ। सोनिया के मुताबिक, हममें से कई समान विचारधारा वाली पार्टियां मांग कर

चुकी हैं कि गरीबों के खातों में पैसे डाले जाएं, सभी परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाए और घर जाने वाले प्रवासी श्रमिकों को बस एवं ट्रेन की सुविधा दी जाए। हमने यह मांग भी की थी कि कर्मचारियों एवं नियोजकों की सुरक्षा के लिए 'वेतन सहायत कोष' बनाया जाए। हमारी गुहार को अनसुना कर दिया गया। उन्होंने कहा, ''कई जानेमाने अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया है कि 202021 में हमारे देश की विकास दर 5 प्रतिशत हो सकती है। इसके नतीजे भयावह होंगे।'' सोनिया ने कहा, ''मौजूदा सरकार के पास कोई समाधान नहीं होना चिंता की बात है, लेकिन उसके पास गरीबों एवं कमजोर वर्ग के लोगों के प्रति करूणा का नहीं होना हृदयविदारक बात है।''

उन्होंने आरोप लगाया, ''सरकार ने खुद के लोकतांत्रिक होने का दिखावा करना भी छोड़ दिया है। सारी शक्तियां पीएमओ तक सीमित हो गई हैं। संघवाद की भावना जो हमारे संविधान का अभिन्न भाग है, उसे भूला दिया गया है। इसका कोई संकेत नहीं है कि संसद के दोनों सदनों या स्थायी समितियों की बैठक कब बुलाई जाएगी।'' सोनिया ने विपक्षी दलों के नेताओं से कहा, ''रचनात्मक आलोचना करना, सुझाव देना, और लोगों की आवाज बनना हमारा कर्तव्य है। इसी भावना के साथ हम बैठक कर रहे हैं।''

सुप्रीम कोर्ट परिसर में वकीलों के चैंबर ऑड-ईवन योजना के तहत खुलेंगे

नई दिल्ली,(वेबवार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने परिसर में वकीलों के चैंबर ब्लॉक में आने वाले सभी लोगों के लिए दिशानिर्देश जारी किया है। दिशानिर्देश में चैंबर नंबर के मुताबिक ऑडईवन योजना के तहत चैंबर खुलेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भीड़भाड़ से बचने के लिए प्रत्येक चैंबर ब्लॉक के ऑडईवन चैंबर नंबर की योजना सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) की ओर से संयुक्त रूप से तैयार किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बार एसोसिएशनों के सदस्यों और उनके कर्मचारियों के लिए सोमवार से शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम चार बजे के बीच और शनिवार को सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे के बीच परिसर में प्रवेश की अनुमति होगी। प्रवेश की अनुमति पहचान पत्र या अनुमति पत्र दिखाने पर ही मिलेगी। चैंबर ब्लॉक में प्रवेश करने से पहले थर्मल स्क्रीनिंग से गुजरना होगा और सेल्फ डिक्लेरेशन फॉर्म भरना होगा। इसका पालन नहीं करने पर किसी भी चैंबर ब्लॉक में प्रवेश करने से रोक दिया जाएगा। थर्मल स्क्रीनिंग के दौरान लक्षण पाए जाने पर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मास्क न पहनने वालों को भी चैंबर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। हर चैंबर ब्लॉक में एंट्री करते समय गेट पर हैंड सैनिटाइजर मशीन लगी होगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने भी पिछले हफ्ते अपने परिसर में तीन चैंबर ब्लॉक में वकीलों के प्रवेश की अनुमति दी थी।

जामिया के बेकसूर छात्रों की गिरफ्तारी से पुलिस खो रही है विश्वसनीयता: दानिश

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी के नेता तथा लोकसभा सांसद कुंवर दानिश अली ने कहा है कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करने वाले जामिया मिल्लिया इस्लामिया के बेकसूर छात्रों की गिरफ्तारी और उन्हें प्रताड़ित कर दिल्ली पुलिस अपनी विश्वसनीयता खो रही है। अली ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करने वाले बेगुनाह छात्रों को ही दिल्ली में हिंसा भड़काने तथा नफरत का माहौल बनाने का वास्तविक दोषी मानकर उन्हें गिरफ्तार और प्रताड़ित करने से दिल्ली पुलिस तेजी से अपनी विश्वसनीयता खो रही है। गौरतलब है कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ जामिया में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे

कई छात्रों को लॉक डाउन के दौरान गिरफ्तार किया गया है और इन सभी पर उत्तर पूर्वी दिल्ली में हिंसा की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। इन छात्रों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत कार्रवाई की गई है। दिल्ली हिंसा मामले में जामिया के शोधार्थी छात्र मीरान हैदर, सफूरा जरगर, आसिफ इकबाल तनहा तथा एल्युमनी असोसिएशन ऑफ जामिया मिल्लिया इस्लामिया (आजमी) के अध्यक्ष शिफाउर्रहमान खान को गिरफ्तार किया गया है। इन छात्रों पर देशद्रोह, हत्या, हत्या के प्रयास, धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच नफरत को बढ़ावा देने और दंगा करने के अपराध के लिए भी मामला दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि नागरिकता संशोधन कानून के समर्थकों और इसका विरोध करने वालों के बीच उत्तर पूर्वी दिल्ली में 23 से 26 फरवरी के बीच हिंसा हुई थीं।

सरकार की घोषणाओं के अनुरूप है आरबीआई का कदम: नड्डा

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा की गई घोषणाओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सरकार की घोषणाओं के अनुरूप हैं और इससे लोगों और व्यापार को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान और उसके बाद अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता को दर्शाता है। जेपी नड्डा ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कोविड19 के प्रतिकूल प्रभावों से निपटने के लिए आरबीआई द्वारा बैंकों को 90 दिनों के लिए 15,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे जिससे बैंकों पर प्रतिकूल असर नही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कोरोनो वायरस के प्रभावों के बावजूद सही दिशा में अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए आरबीआई प्रशंसा की हकदार है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में कई सकारात्मक चीजें भी सामना आई हैं। 202021 में हमारा विदेशाी मुद्रा भंडार 9.2 अरब डॉलर बढ़ा है। चैथी तिमाही में मुद्रा स्फीति की दर में जो गिरावट आई है वह आरबीाई के निर्धारित लक्ष्य से कम है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजार्व बैंक ने आज सुबह रेपो रेट में 0.40 प्रतिशत की कटौती का भी ऐलान किया है। इसे 4.4 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया गया है। इस फैसले से आम लोगों की ईएमआई कम हो सकती है।

घरेलू उड़ानों के लिए बुकिंग शुरू, सरकार की नजर

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया तथा अन्य एयरलाइंस ने 25 मई से दुबारा शुरू हो रही घरेलू उड़ानों के लिए आज बुकिंग शुरू कर दी। एयर इंडिया ने दोपहर बाद 12.30 बजे बुकिंग शुरू की। उसने एक बताया कि सीधे एयरलाइंस की वेबसाइट के अलावा उसके प्राधिकृत एजेंटों या बुकिंग कार्यालयों से भी टिकट बुक कराये जा सकते हैं।

निजी एयरलाइंस विस्तारा ने भी एक प्रेस विज्ञप्ति में बुकिंग शुरू करने की घोषणा की। उसने बताया कि फिलहाल उड़ानों की संख्या कम रहेगी। सरकार ने अभी पूर्व में मंजूरी ग्रीष्मकालीन समयसारणी की तुलना में एकतिहाई उड़ानों के परिचालन की

ही अनुमति दी है। किफायती विमान सेवा कंपनियों इंडिगो और स्पाइसजेट ने भी बुकिंग शुरू कर दी है। सभी एयरलाइंस ने यात्रियों से कोविड19 के मद्देनजर सरकार द्वारा दिये गये दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की है। सरकार ने दो महीने के अंतराल के बाद 25 मई से कई शर्तों के साथ घरेलू उड़ानें शुरू करने की अनुमति दी है। कोविड19 के मद्देनजर 25 मार्च से ही सभी घरेलू यात्री उड़ानें बंद थीं। उड़ानों की संख्या में कटौती के अलावा सरकार ने उड़ान समय के हिसाब से हर मार्ग का अधिकतम और न्यूनतम किराया भी तय कर दिया है। यात्रियों के लिए आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल और एक स्व घोषणापत्र अनिवार्य किया है।

घरेलू विमानन सेवा फिर चालू करना अच्छा कदम- एसोचैम

उद्योग मंडल एसोचैम ने शुक्रवार को सरकार के घरेलू उड़ान फिर शुरू करने के फैसले का स्वागत किया। उसने कहा कि जीवन और आर्थिक गतिविधियों को चलते रहना होगा। पर्यटन और विमानन क्षेत्र अकेले ही अर्थव्यवस्था को गति दे सकते हैं। एसोचैम की पर्यटन परिषद के प्रमुख सुभाष गोयल ने एक बयान में कहा कि कोरोना वायरस लॉकडाउन की वजह से मौजूदा समय में 3.8 करोड़ लोगों का रोजगार दांव पर लगा है। उन्होने कहा, ''जीवन और अर्थव्यवस्था से जुड़ी गतिविधियां चलती रहनी चाहिए। हमें कोविड19 के साथ रहना सीखना होगा। हम पीतज्वर और तपेदिक के साथ भी यात्रा करना सीख चुके हैं।'' उन्होंने अंतरराष्ट्रीय उड़ाने जून से शुरू होने की उम्मीद जतायी। गोयल पर्यटन क्षेत्र के संगठनों के महासंघ (फेथ) के भी सचिव हैं। उन्होंने कहा, ''पर्यटन और विमानन क्षेत्र अकेले ही अर्थव्यवस्था को दोबारा शुरू कर सकते हैं, क्योंकि वह रोजगार पैदा करते हैं और आर्थिक वृद्धि के इंजन हैं।''

लॉकडाउन: एमपी जा रहे मजदूरों को हरियाणा पुलिस ने दिल्ली बॉर्डर पर रोका

नई दिल्ली,(वेबवार्ता)। हरियाणा के विभिन्न जिलों से मध्य प्रदेश पैदल जा रहे 150 से अधिक मजदूरों को शुक्रवार सुबह हरियाणा पुलिस ने दिल्ली के बदरपुर बॉर्डर पार करने से रोक दिया। जिसके बाद सभी मजदूर बॉर्डर स्थित बस स्टेंड के पास एकजुट हो गए। जिसकी जानकारी पाकर दिल्ली के संगम विहार क्षेत्र की निगम पार्षद माया विष्ट के साथ बीजेपी मंडल अध्यक्ष मुकेश प्रधान के साथ मौके पर पहुंची। जिसके बाद पार्षद ने सभी मजदूरों को खाना और पानी वितरित किया। वहीं मामले की जानकारी दिल्ली पुलिस को मिलने के बाद पुलिस ने सभी मजदूरों को डीटीसी बस से नेहरू प्लेस के चिराग एंक्लेव स्थित कौटिल्य पब्लिक स्कूल में बने शेल्टर होम में भेज दिया. मजदूरों ने बताया कि उनका हरियाणा के अंबाला में स्क्रीनिंग की गई थी और वहां के एक कैंप में 15 दिनों तक रखा गया था. साथ ही वहां के जिला प्रशासन से संबंधित कंपनियों और बिल्डरों को काम देने की बातें कही थी. प्रशासन ने सभी को जल्द से जल्द काम दिलाने का आश्वासन दिया था. लेकिन, जब कोई काम नहीं मिला और स्थिति भूखे रहने की आ गई, तब मजदूरों ने अपनेअपने पत्नी और बच्चों के साथ वहां से पैदल ही मध्यप्रदेश स्थित अपने मूल जिलों की ओर निकल गए। मजदूरों ने बताया कि दिन में वह सफर तय नहीं करते थे, चूंकि दिन में धूप और गर्मी अधिक रहती है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

आयकर विभाग ने अप्रैल से 26,242 करोड़ के रिफंड जारी किए

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने अप्रैल से 16.84 लाख करदाताओं को 26,242 करोड़ रुपये के कर रिफंड जारी किए। कोविड19 संकट के बीच लोगों और कंपनियों को नकदी उपलब्ध कराने के लिए विभाग ने रिफंड का काम काफी तेजी से किया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने शुक्रवार को कहा कि एक अप्रैल से 21 मई के बीच 16,84,298 आयकरदाताओं को रिफंड मिला है। सीबीडीटी ने कहा कि 15,81,906 करदाताओं को 14,632 करोड़ रुपये के आयकर रिफंड जारी किए गए। वहीं 1,02,392 करदाताओं को कॉरपोरेट कर रिफंड जारी किए गए। पिछले सप्ताह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान की घोषणा के बाद से रिफंड जारी करने का काम और तेज किया गया है। सीतारमण ने कहा था, ''हम रिफंड में देरी नहीं कर रहे हैं। हम उसे रोककर नहीं बैठे हैं। हम आपको रिफंड इसलिए तेजी से जारी कर रहे हैं क्योंकि इस समय आपको पैसे की जरूरत है और यह आपके पास पहुंचना चाहिए। कर रिफंड के पैसे को हमने अपनी प्रोत्साहन की गणना में शामिल नहीं किया है।'' सीबीडीटी ने 16 मई को समाप्त पिछले सप्ताह के दौरान 37,531 आयकरदाताओं को 2,050.61 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया था। इसी तरह कॉरपोरेट करदाताओं को 867.62 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया।

आरबीआई के कदमों से निर्यातकों के पास उपलब्ध होगी अधिक नकदी: फियो

नई दिल्ली। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत दर में कटौती, ऋण किस्त चुकाने पर तीन महीने की और मोहलत समेत अन्य कदमों की घोषणा को निर्यात क्षेत्र के लिए राहत पहुंचाने वाला बताया। उसने कहा कि इससे निर्यात क्षेत्र को कोविड19 संकट से पैदा हुई बाधाओं से पार पाने में मदद मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को रेपो दर और रिवर्स रेपो दर को घटाकर क्रमशः चार प्रतिशत और 3.35 प्रतिशत कर दिया। साथ ही सभी तरह के ऋण की किस्त चुकाने पर 31 मई तक की मोहलत को तीन महीने के लिए 31 अगस्त तक बढ़ा दिया। निर्यातकों के लिए विशेष प्रावधान करते हुए निर्यात से पहले और बाद में दिए जाने वाले ऋण की अवधि को 12 महीने से बढ़ाकर 15 महीने करने की घोषणा भी की। फियो के अध्यक्ष शरद कुमार सर्राफ ने कहा कि इन कदमों से निर्यातकों के पास अधिक नकदी उपलब्ध होगी। इससे उन्हें इस परीक्षा की घड़ी में अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''हम विनिर्माण उद्योग और पूरी अर्थव्यवस्था की मदद के लिए सबसे प्रतिस्पर्धी ऋण ब्याज दरों के युग में प्रवेश कर रहे हैं। इन कदमों से ना सिर्फ आर्थिक वृद्धि को सुधारने में मदद मिलेगी बल्कि यह महामारी के प्रभावों को भी सीमित करेंगे।''

राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों के नियमों में बदलाव

अब 30 दिनों तक की एडवांस टिकट बुक कर सकेंगे यात्री

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने 12 मई से चल रही 15 जोड़ी स्पेशल राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों के नियमों में बदलाव करते हुए यात्रियों को बड़ी राहत दी है। अब इन ट्रेनों में यात्री 7 दिन की बजाय 30 दिनों तक एडवांस टिकट बुक करवा सकेंगे। इस ट्रेन में कोई तत्काल बुकिंग नहीं होगी। लेकिन आरएएसी एवं वेटिंग सूची टिकट जारी किए जाएंगे। हालांकि आखिरी समय तक वेटिंग टिकट रहने की स्थिति में यात्रियों को इन ट्रेनों में मौजूदा निर्देशों के अनुसार यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रेलवे ने अपने ही नियमों में बदलाव करते हुए बताया है कि वेटिंग कंफर्मेशन के लिए पहला चार्ट निर्धारित प्रस्थान से कम से कम

4 घंटे पहले तैयार किया जाएगा। इसके बाद दूसरा चार्ट निर्धारित प्रस्थान से पहले कम से कम 2 घंटे तैयार किया जाएगा। पहले और दूसरे चार्ट के बीच वर्तमान बुकिंग की अनुमति होगी। इस दौरान खाली सीटों पर यात्री करंट बुकिंग के तहत टिकट खरीद सकते हैं।

टिकटों की बुकिंग की अनुमति कम्प्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों सहित डाकघरों, यति टिकट सुविधा केंद्र (वाईटीएसके) लाइसेंसधारियों आदि के साथसाथ भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) और कॉमन सर्विस सेंटर के अधिकृत एजेंटों सहित ऑन लाइन बुकिंग के माध्यम से दी होगी।

रेल मंत्रालय के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) राजेश दत्त बाजपेयी के मुताबिक उपरोक्त ट्रेन बुकिंग 24 मई से लागू होगी, और ट्रेन शुरू होने की तारीख 31 मई के बाद के लिए है।

बता दें कि 1 जून से भारतीय रेलवे 200 प्रमुख ट्रेनों का संचालन शुरू करने जा रहा है। इसमें जनशताब्दी, दूरंतो सहित सभी शहरों की प्रमुख ट्रेनें शामिल हैं। इसके लिए वीरवार से टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। शुक्रवार से इन ट्रेनों के लिए काउंटर टिकट भी बेंचे जाने लगे। इन ट्रेनों में एडवांस रिर्जवेशन पीरियड 30 दिन तक के लिए रखा गया है। इसी को देखते हुए 12 मई से चल रहीं 15 जोड़ी राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों को भी 30 दिन कर दिया है। लॉकडाउन के पहले तक इन सभी ट्रेनों में 120 दिनों तक के एडवांस टिकट बुक किए जाते थे। लेकिन, कोरोना के चलते हुए देशव्यापी बंदी के बाद अब नये नियमों के साथ ट्रेनों को शुरू किया जा रहा है।

मोदी के निर्वाचन के खिलाफ याचिका की सुनवाई दो सप्ताह टली

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने 2019 के आमसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई दो सप्ताह के लिए शुक्रवार को टाल दी। मोदी के निर्वाचन के खिलाफ सीमा सुरक्षा बल के पूर्व जवान तेज बहादुर यादव की याचिका मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हृषिकेश राय की खंडपीठ के समक्ष जैसे ही सुनवाई के लिए आयी, याचिकाकर्ता के वकील ने चार सप्ताह सुनवाई स्थगित करने का न्यायालय से अनुरोध किया, लेकिन न्यायालय ने चार सप्ताह के बजाय दो सप्ताह के लिए याचिका की सुनवाई टाली। हालांकि, इस बीच मोदी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और सत्यपाल जैन स्क्रीन पर आ चुके थे। लेकिन उनके बहस की नौबत ही नहीं आयी। इससे पहले गत 18 मई को इस मामले को सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन अज्ञात कारणवश मुख्य न्यायाधीश के उपलब्ध न रहने के कारण उनके समक्ष सूचीबद्ध सभी मामलों की सुनवाई के लिए आज की तारीख मुकर्रर की गयी थी, जिनमें मोदी के निर्वाचन के खिलाफ चुनाव याचिका भी शामिल थी। तेज बहादुर यादव ने मोदी के खिलाफ वाराणसी से चुनावी पर्चा भरा था लेकिन वह खारिज हो गया था। यादव ने मोदी के निर्वाचन को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, लेकिन गत वर्ष दिसंबर में इसने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि याचिकाकर्ता का नामांकन पत्र खारिज हो गया था और वह उम्मीदवार नहीं रह गए थे, इसलिए उन्हें निर्वाचन को चुनौती देने का कोई अधिकार नहीं है।

रेल मंत्रालय की महिला अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित

नई दिल्ली, रेल मंत्रालय में आरपीएफ जवान, लंगूर मैन के बाद अब एक वरिष्ठ महिला अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित पायी गई हैं। अधिकारी के संक्रमित होने की खबर से मंत्रालय में हड़कंप मचा हुआ है।

रेल मंत्रालय में तीसरा कोराना का मामला, हड़कंप

यह अधिकारी रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सेवा के कैडर पुनर्गठन पर कार्य कर रही थीं। वह आखिरी बार 13 मई को काम पर रेल मंत्रालय आयी थीं। उसके बाद रेल भवन को संक्रमण रोधन के लिए दो दिन की खातिर बंद कर दिया गया, क्योंकि आरपीएफ का एक कर्मी संक्रमित पाया गया था।

सूत्रों के मुताबिक संबंधित रेल अधिकारी राष्ट्रमंडल खेल गांव अपार्टमेंट में रहती हैं जहां रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी रहते हैं। अधिकाररियों ने बताया कि उनके साथ काम कर रहे संयुक्त सचिव स्तर के एक अधिकारी को 14 दिनों के लिए पृथकवास में भेजा गया है जबकि कुछ कनिष्ठ किर्मयों को स्वयं को अलगथलग कर लेने को कहा गया है।

सूत्रों के मुताबिक संबंधित अधिकारी मधुमेह की मरीज हैं और वह अपने आप को कोरोना वायरस से बचाने के लिए सभी एहतियात बरतती थीं। लेकिन उन्हें बस हल्का बुखार है और वह घर पर ही चिकित्सकीय निगरानी में हैं। रेल भवन के चौथे तल पर आरपीएफ कार्यालय के एक कनिष्ठ कर्मी को सर्वप्रथम कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था। उसके बाद और एक व्यक्ति को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था जो इस बिल्डिग के आसपास से बंदरों को भगाने के लिए वहां अपने लंगूर के साथ रहता था।

रेलवे के कोरोना आईसोलेशन वार्ड में सफर करेंगे श्रमिक

5200 डिब्बों में से 60 फीसदी श्रमिक एक्सप्रेस में चलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों के लिए पृथक वार्ड के रूप में तब्दील किये गये अपने 5200 डिब्बों में से 60 फीसदी का श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाने के लिए उपयोग करने का निर्णय किया है। वैसे तो इन गैर एसी डिब्बों को फिर सामान्य डिब्बे में नहीं बदला जाएगा, लेकिन उनका उपयोग किया जाएगा।

रेलवे के मुताबिक चूंकि ये डिब्बे पृथक वार्ड में तब्दील किये जाने के बाद यूं ही पड़े हुए हैं और उन्हें भी तैनात किया जाना बाकी है, ऐसे में रेलवे ने प्रवासी स्पेशल सेवाओं के लिए उनका उपयोग करने का निर्णय लिया है।

इस बावत रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल मुख्यालयों को एक पत्र लिखा है। 21 मई को जारी आदेश में कहा गया है कि बोर्ड चाहता है कि कोविड 19 मामलों में सहयोग के लिए निर्धारित किये गये डिब्बों में से 60 फीसदी यानी 3120 डिब्बों का रेलवे श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाने के लिए उपयोग करे। बोर्ड ने इसकी अनुमति दी है।

पृथक वार्ड बनाते समय इन डिब्बों से बीच का बर्थ हटा दिया गया था और नीचे के हिस्से को प्लाइवुड से जोड़ दिया गया था। बीच का बर्थ नहीं होने से इन डिब्बों वाली ट्रेनों में कम यात्री होंगे। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक यात्रा के दौरान इन डिब्बों में ऑक्सीजन टैंक, वेंटीलेटर और अन्य मेडिकल उपकरण हटा दिये जायेंगे।

जामिया विवि ने छात्रावासों में फंसे बिहार के 130 विद्यार्थियों को विशेष बसों से किया रवाना

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने कोरोना और देशव्यापी लॉकडाउन के चलते बालक और बालिका छात्रावासों में फंसे बिहार और पश्चिम बंगाल के 130 विद्यार्थियों को पांच विशेष बसों से उनके घरों के लिए रवाना किया। छात्रों के साथ हर बस में यूनिवर्सिटी के दो गार्ड (पूर्व सैन्यकर्मी) भी गए हैं। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक अहमद अजीम ने शुक्रवार को बताया कि ये बसें कटिहार, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर, नालंदा और भागलपुर जिलों के लिए गुरुवार को रवाना हुईं।

पश्चिम बंगाल के 3 छात्र भी कटिहार जाने वाली बस से गए हैं। वे वहां से अपने इंतजाम से पश्चिम बंगाल के लिए रवाना होंगे। ये पांच नियत स्थान बिहार के 30 जिलों को कवर करेंगे। छात्र बस के गंतव्य जिलों में से अपने गृह जिले की नजदीकी के मुताबिक किसी नियत स्थान पर उतरेंगे।

विश्वविद्यालय के मुख्य प्रॉक्टर ने संबंधित छात्रों के यात्रा विवरण के बारे में, बिहार सरकार और सभी 30 जिलों के स्थानीय प्रशासन को भी अवगत करा दिया है। लॉकडाउन के कारण विश्वविद्यालय बंद है और हॉस्टल में फंसे छात्रों के अनुरोध पर जामिया ने बिहार और दिल्ली की सरकारों के अधिकारियों के साथ ताल मेल करके विशेष बसों से उनकी यात्रा के लिए अनुमति ली।

कॉरोना वायरस से संबंधित बुखार या अन्य लक्षणों की जांच और बाकी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए छात्रों को पहले दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। विश्वविद्यालय द्वारा भोजन के पैकेट, पानी की बोतलें, हैंड सैनिटाइजर और फेस मास्क भी मुहैया कराए गए। कैंपस से निकलने से पहले बसों को पूरी तरह से सैनिटाइज किया गया। कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने संतोष व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि ये छात्र अपने अपने घर सुरक्षित पहुंचेंगे और जम्मू कश्मीर तथा झारखंड के छात्रों की तरह अपने परिवार के साथ होंगे। इससे पहले उक्त दोनों राज्यों के छात्रों को भी उनके घर भेजने की जामिया ने विशेष व्यवस्था की थी। छात्रों की मदद करने के लिए डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) और उनकी टीम, चीफ प्रॉक्टर और उनकी टीम, प्रोवोस्ट्स और वार्डन और प्रशासनिक कर्मचारी डीएसडब्ल्यू कार्यालय में मौजूद थे। इस कार्यालय से स्क्रीनिंग सेंटर के लिए बसें रवाना हुई।

अमेजन ने की लगभग 50,000 अंशकालिक नियुक्तियों की घोषणा

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। वैश्विक महामारी कोराना वायरस 'कोविड19' के खिलाफ देश जहां सामाजिक दूरी का पालन कर इससे निपटने का प्रयास कर रहा है वहीं अमेजन इंडिया ने लोगों को अनिवार्य सेवा घर तक प्रदान कराने के लिए जरुरत के आधार पर 50 हजार अंशकालिक नियुक्तियां करने की घोषणा की है। ताकि लोगों को अपने घर से निकले बिना अपने परिवारों के लिये जरूरी चीजें मिल सकें। अमेजन इंडिया ने शुक्रवार को अपनी सेवा पर निर्भर लोगों की बढ़ती मांग के मद्देनजर उसकी पूर्ति करने के लिये जरूरत के आधार पर करीब 50,000 नियुक्तियों की घोषणा की है।

ये नियुक्तियां खासकर उन लोगों के लिये, जो भीड़ में जाने के लिए सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं। उसके फुलफिलमेन्ट सेंटर्स और डिलीवरी नेटवर्क में विभिन्न नियुक्तियाँ होगी। इसमें अमेजन फ्लेक्स के साथ स्वतंत्र ठेकेदार के तौर पर अंशकालिक लोचशील कार्य अवसरों भी शामिल हैं। अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष अखिल सक्सेना ने कहा, ''कोविड 19 महामारी से हमने एक चीज सीखी है कि अमेजन और ईकॉमर्स अपने ग्राहकों, छोटे व्यवसायों और देश के लिये कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

हमने इस जिम्मेदारी को गंभीरता से लिया है और हम इस जम्मिदारी को गंभीरता से लेते हैं, और इस कठिन समय में छोटे और अन्य व्यवसायों को हमारे ग्राहकों तक पहुँचाने में हमारी टीम जो काम कर रही है हमें उस पर गर्व है। हम पूरे भारत में ग्राहकों को उनकी जरूरत की हर चीज पाने में मदद करना जारी रखना चाहते हैं, ताकि वे सामाजिक दूरी का पालन करते रहें। इसके लिये, हम अपने फुलफिलमेन्ट और डिलीवरी नेटवर्क में लगभग 50,000 सीजनल एसोसिएट्स के लिये काम के अवसर निर्मित कर रहे हैं।

जूम ऐप पर प्रतिबंध लगाने के लिये दायर याचिका पर SC ने केन्द्र से जवाब मांगा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उचित कानून बनने तक शासकीय ओर निजी कार्यों में 'जूम' ऐप के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को केन्द्र से जवाब मांगा। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति ऋषिकेश राय की पीठ ने वीडियो कांफ्रेन्सिग के माध्यम से इस मामले की सुनवाई करते हुये केन्द्र को नोटिस जारी किया। केन्द्र को इस मामले में चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। याचिका में अमेरिका स्थित जूम वीडियो कम्युनिकेशंस को भी पक्षकार बनाया गया है। इस याचिका में निजता के अधिकार का मुद्दा उठाते हुये दावा किया गया है कि लगातार 'जूम ऐप' का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं के समक्ष साइबर खतरा उत्पन्न हो सकता है।यह याचिका दिल्ली निवासी हर्ष चुघ ने दायर की है। याचिका में

'जूम' ऐप पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही शासकीय और व्यक्तिगत स्तर पर जूम के इस्तेमाल के बारे में उचित कानून बनाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। अधिवक्ता वजीह शफीक के माध्यम से दायर इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि लगातार इस ऐप के इस्तेमाल से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है और यह तरहतरह के साइबर अपराधों को भी बढ़ावा दे सकता है। याचिका में कहा गया है कि इस ऐप के लगातार इस्तेमाल से साइबर अपराध का खतरा है, इसलिए इस ऐप के इस्तेमाल के संबंध में विस्तृत तकनीकी अध्ययन कराने का केन्द्र को निर्देश दिया जाये। याचिका के अनुसार, कोविड19 महामारी के इस दौर ने जीवन शैली में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है जिसमें उपभोक्ता, कारोबारी और स्कूल जरूरतमंदों की मदद करने के लिए जूम के माध्यम से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि जूम ऐप लाखों उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत सूचनाओं का दुरूपयोग करके निजता के अधिकार का हनन कर रहा है।

वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना आप सरकार का दायित्व: अदालत

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा उपयोग में लाई जा रही इमारतों के नजदीक रह रहे वरिष्ठ नागरिकों और अन्य निवासियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना आप सरकार एवं नगर निगमों का दायित्व है। साथ ही अदालत ने लोगों के भय को समाप्त करने के लिए अधिकारियों को ऐसे इलाकों को संक्रमणमुक्त बनाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति आशा मेनन ने एक वरिष्ठ नागरिक की ओर से दायर याचिका पर यह निर्देश दिया। बुजुर्ग ने दक्षिणी दिल्ली स्थित अपने निवास के पास एक घर को बंद करने का अनुरोध किया था जिसे स्वास्थ्य कर्मियों के लिए अतिथि गृह के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है और जो स्वच्छता संबंधी कदमों का कथित तौर पर पालन नहीं कर रहे। वरिष्ठ नागरिक, अनिल धल्ला ने अदालत को बताया कि वह अपने आयु वर्ग के पांच अन्य लोगों के साथ रह हैं जिन्हें पहले से अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं और इसलिए वे अपने स्वास्थ्य एवं कुशलता को लेकर चिंतित हैं क्योंकि अतिथि गृह में रह रहे लोग साफसफाई का ध्यान नहीं रख रहे हैं। अदालत ने कहा कि किसी को भी 'कोविड19 के अवास्तविक भय के चलते' अपने पड़ोस में रह रहे स्वासथ्य कर्मियों को हटाने के लिए कहने का अधिकार नहीं है लेकिन 'प्रतिवादी संख्या 1 (दिल्ली सरकार) और प्रतिवादी संख्या दो (दक्षिणी दिल्ली नगर निगम) ऐसी इमारतों के बगल में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य निवासियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के अपने दायित्व से बच नहीं सकते जिनमें स्वास्थ्य कर्मी रह रहे हों।' अदालत ने उन्हें, 'ऐसे इलाकों को स्वच्छ एवं संक्रमण मुक्त बनाने जैसे सभी कदम उठाने के निर्देश दिए जैसा कि निरुद्ध या बफर क्षेत्रों में किया जाता है ।

दुनिया के पांच बड़े शहद उत्पादक देशों में शामिल हुआ भारतः तोमर

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने विश्व के पांच सबसे बड़े शहद उत्पादक देशों में स्थान बनाया है। देश में शहद का उत्पादन 2005 06 की तुलना में 242 प्रतिशत बढ़ गया है। तोमर ने कहा कि सरकार ने, ''किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार मधुमक्खीपालन को बढ़ावा दे रही है और सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत मधुमक्खीपालन को और बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

देश में मधुमक्खीपालकों की मेहनत से, विश्व में शहद के पांच सबसे बड़े उत्पादकों में भारत का नाम शुमार हुआ है।।'' कृषि मंत्री ने कहा कि वर्ष 200506 की तुलना में अब शहद उत्पादन 242 प्रतिशत बढ़ गया है वहीं इसके निर्यात में 265 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने में मधुमक्खी पालन बहुत सहायक साबित हो सकता है। मंत्रालय की यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। कृषि मंत्री ने यह बात राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) द्वारा 'मीठी क्रांति और आत्मनिर्भर भारत' विषय पर आयोजित वेबिनार में कही। इस वेबिनार का आयोजन एनसीडीसी ने राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड, पश्चिम बंगाल सरकार, उत्तराखंड सरकार और शेरए कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर के साथ मिलकर किया था। तोमर ने कहा कि शहद उत्पादन और इसके निर्यात में वृद्धि से यह प्रदर्शित हो रहा है कि इस काम से किसान लाभान्वित हो रहे हैं, उनके जीवनस्तर में बदलाव आ रहा है और उनकी आमदनी भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खीपालन के प्रशिक्षण के लिए चार मॉड्यूल बनाये गये हैं, जिसके माध्यम से देश में 30 लाख किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है और उन्हें अन्य सहायता भी उपलब्ध कराई गयी है। तोमर ने कहा कि मधुमक्खीपालन को बढ़ावा देने के लिए गठित समिति की सिफारिशों के आधार पर भी सरकार आगे काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन का काम गरीब व्यक्ति भी कम पूंजी में अधिक मुनाफा कमाने के लिए कर सकता है। इसलिए इसे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री की ओर से 500 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की गई है।

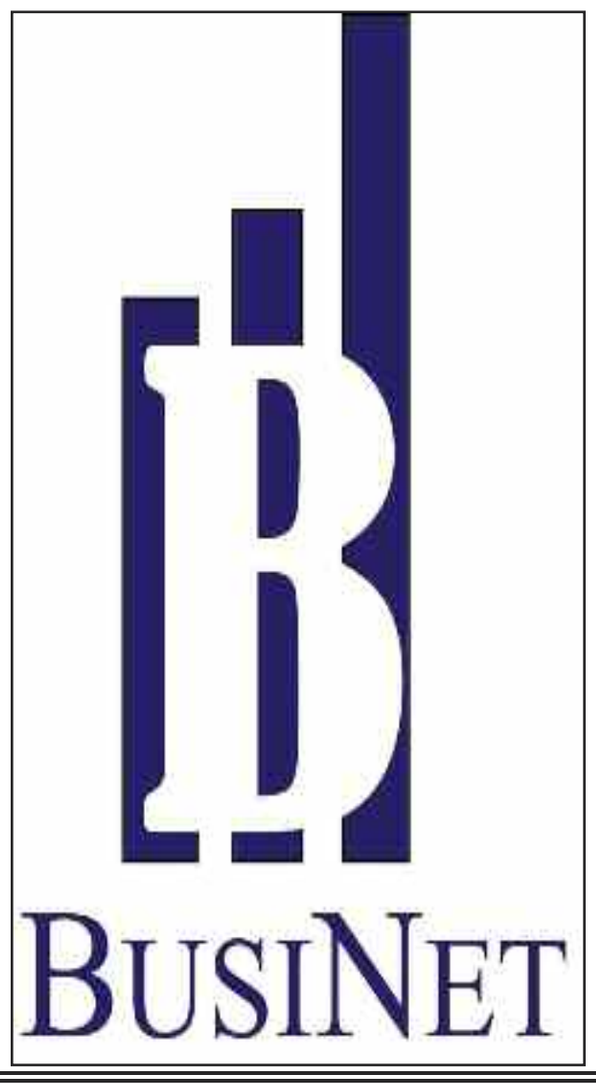

संपादकीय

कोरोना के बढ़ते आंकड़े चिंताजनक जरूर हैं, मगर अब इसके साथ ही जीना होगा

तमाम विपरीत परिस्थितियों, आशंकाओं और आपत्तियों के बीच भारत में लागू हुआ लॉकडाउन का चौथा चरण अब अधिक चुनौतीभरा एवं गंभीर है। देश में कोरोना संक्रमितों और इससे मरने वालों की संख्या जिस तेजी से बढ़ रही है, वह बहुत चिन्ताजनक एवं भयावह तस्वीर प्रस्तुत कर रही है। इस बात के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले दिनों में इस महामारी का कहर थमने वाला नहीं है। तीन चरणों के लॉकडाउन पीरियड़ में इस महामारी को फैलने से रोकने में जो सफलताएं मिलीं, वे अब धराशायी हो जायें तो कोई आश्चर्य नहीं है। कोरोना मुक्ति की सीढ़ियों पर चढ़ते कदमों को नीचे खींचना हमारी ऐसी विवशता बन रही है, जो जीवन के उजाले से अधिक मौत का अंधेरा अपने साथ लिये है। लेकिन यह भी बड़ा सत्य है कि जीने के लिये गतिशीलता जरूरी है, रुक जाना अच्छा नहीं, क्योंकि वहां विकास की सारी संभावनाएं खत्म हो जाती हैं।

केंद्र सरकार ने विकास को गति देने की दृष्टि से अपनी तरफ से कई छूटें घोषित की हैं, साथ ही आगे की छूटों के बारे में फैसला राज्य सरकारों और जिला प्रशासन पर छोड़ा है। रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन तय करने का अधिकार राज्यों को और कंटेनमेंट जोन तथा बफर जोन तय करने का जिम्मा जिला प्रशासन को सौंप दिया गया है। राज्य सरकारें जमीनी स्थितियों से बेहतर ढंग से वाकिफ होती हैं, इसलिए प्रदेश के अलगअलग हिस्सों में बीमारी के फैलाव के खतरों और आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त एवं प्रभावी फैसला वे ज्यादा आसानी से कर सकती हैं। लेकिन उनके फैसलों में सही दिशा एवं सही मुकाम कैसे मिलेगा, यह एक ज्वलंत प्रश्न है। यह चिंता की बात इसलिए भी है कि महामारी विशेषज्ञ चेतावनी दे चुके हैं कि अगले कुछ महीनों में देश के राज्यों में कोरोना संक्रमण अलगअलग समय पर अपने चरम पर होगा। इससे एक बात यह भी स्पष्ट हो गई है कि अगले कई महीने तक देश को इस महामारी से मुक्ति नहीं मिलने वाली। कोरोना से लड़ने के लिये संयम एवं सोशल डिस्टेंसिंग बहुत जरूरी है। इनमें छूट के नाम पर फैलती गलत परम्परा, जीने की गलत शैली, शुद्ध साध्य तक पहुंचने के गलत साधन, सोच का गलत दिशाओं में बढ़ना हमारे लिये बड़े खतरे का सबब बन सकता है।

ऐसे विकट स्थितियों में राज्य सरकारों को अब अपने यहां ढील के साथ ही इस तरह के कड़े उपाय भी करने होंगे जो कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने में कारगर साबित हो सकें। इनमें संक्रमितों की पहचान और बेहद खतरनाक क्षेत्रों को बंद रखने जैसे कदम भी शामिल हों। इसके अलावा कोरोना जांच को अधिक तीव्रता से गति देना होगा। नई तकनीक एवं तीव्रता को अपनाना होगा। सरकारों के लिए यह काम पहले के मुकाबले अब ज्यादा चुनौतीभरा इसलिए भी होगा क्योंकि अब पूर्णबंदी में चरणबद्ध तरीके से काफी ढील दी जाने लगी है और लोगों की आवाजाही तेजी से बढ़ने लगी है। अभी प्रवासी मजदूरों का भी बेरोकटोक आनाजाना जारी है। ऐसे में कौन कहां अपने साथ संक्रमण ले जा रहा होगा, यह पता लगा पाना असंभव है।

यह वक्त आम आदमी के अधिक सर्तक एवं सावधान होने का भी है। हर इंसान को इस बात के लिये संकल्पित होना होगा कि वह कोरोना महामारी को पनपने का कारण नहीं बनेगा, जब भी गहराई तक इस तरह की प्रेरणा मन को छू लेती है, तो रास्ते के पत्थर भी सफर में मील के पत्थर बन जाते हैं। आत्म विश्लेषण एवं आत्मजागरूकता कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने की पहली शर्त है। ऐसे कहर से मुक्ति तभी संभव है जब उनके गलत परिणामों का सही ज्ञान होता है। कोरोना मुक्ति जीवन में तभी स्थायित्व पा सकती है जब उनके साथ निष्ठा, संयम, संकल्प एवं प्रयत्न की गतिशीलता और निरन्तरता जुड़ जाती है। बिना किसी को मिटाये एवं नुकसान पहुंचाये विकास को गति दे एवं नई सीमा रेखाएं खींचे।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : मनोज श्रीवास्तव
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : सत्य प्रकाश
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

मजदूरों को प्रवासी नहीं भारतवासी कहो

पिछले दो माह से देश में चल रही तालाबंदी (लाकडाउन) के कारण पूरा देश रुका हुआ है। सभी व्यवसायिक गतिविधियां ठप्प पड़ी है व कल कारखाने बंद है। लंबी तालाबंदी के चलते लोगों के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। ऐसे में अपने घरों से दूर देश के दूसरे प्रांतों में रोजगार के लिए गए लोग अपने घर वापसी कर रहे हैं। भारी संख्या में लोग एक प्रांत से दूसरे प्रांतों में जा रहे हैं। जिससे पूरे देश में अफरा तफरी मची हुई है। यातायात के समुचित साधन नहीं मिलने के कारण लाखों लोग पैदल ही अपने घरों की तरफ चल पड़े हैं। सड़कों पर पैदल ही भूखे, नंगे पैर चलते लोगो की खबरें, फोटो समाचार पत्रों, टीवी चैनलों में दिखायी जा रही है। जिसके चलते केन्द्र व सभी राज्यों की सरकार कटघरे में खड़ी हुई है।

विभिन्न प्रदेशों में काम करने वाले मजदूरों का काम धंधा बंद होने के बाद सरकार ने उनको जहां है वहीं रुकने को कहा था। साथ ही सरकार ने उन्हे आश्वस्त भी किया था कि उनके रहने व खाने की समुचित व्यवस्थाएं राज्य सरकारों द्वारा की जाएगी। मगर सरकारें ऐसा करने में विफल रही। विभिन्न स्थानों पर रुके हुए मजदूर अपने को फंसा हुआ मानने लगे। क्योंकि उनके पास जमा पूंजी समाप्त हो गई व उनके भूखे मरने की नौबत आने लगी। ऐसे में भयावह होती परिस्थितियों से डरकर लोगों ने अपने घर जाना ही बेहतर समझा।

देश भर में जगहजगह मजदूरों ने सरकारी अधिकारियों से घर भेजने की गुहार लगायी मगर उनकी नहीं सुनी गई। तब थक हार कर परेशान मजदूर पैदल ही अपने घरों की तरफ निकल पड़े। सड़कों पर लाखों मजदूरों के पैदल चलने के दौरान अनेकों जगह सड़क हादसे हुए जिनमें सैकड़ों मजदूर मारे गए। इससे केंद्र व राज्य सरकारों की बदनामी होने लगी। अपनी बदनामी से डरकर केंद्र व राज्य सरकारों ने एक मई से मजदूरों को उनके घर तक पहुंचाने के लिए श्रमिक विशेष रेल सेवा प्रारंभ की। जिसके माध्यम से अब तक देश के 30 लाख से अधिक मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाया जा चुका है। मगर सरकार ने रेल सेवा प्रारंभ करने में 40 दिन लगा दिए थे। जिस कारण मजदूरों ने पैदल ही अपने घर की राह पकड़ ली। सरकार यदि तालाबंदी के कुछ दिनों बाद ही श्रमिक विशेष रेलगाड़ियां शुरु कर देती तो मजदूरों को पूरे देश में इस तरह दर बदर नहीं होना पड़ता और ना ही उन्हें सड़कों की पैदल खाक छाननी पड़ती। सैकड़ों मजदूरों को जान भी नहीं गंवानी पड़ती। मगर आज भी देश में लाखों की संख्या में ऐसे मजदूर हैं जो दूसरे प्रांतों में फंसे पड़े हैं। अपने घर जाने के लिये उनको साधन नहीं मिल पाए हैं। सरकार को ऐसे सभी लोगों को जल्दी से जल्दी उनके घर पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि उनको संकट से छुटकारा मिल सके।

तालाबंदी के दौरान देश में लाखों मजदूर दूसरे प्रांतों से अपने घरों की तरफ लौट रहे थे इस दौरान उनके लिए प्रवासी मजदूर शब्द का प्रयोग

किया जा रहा है जो गलत व अनुचित है। प्रवासी का अर्थ है परदेश में रहने वाला। अपनी रोजी रोटी के लिए दूसरे प्रांतों में काम कर रहे ये मजदूर प्रवासी नहीं बल्कि भारतवासी है। कुछ लागों ने भारत के गांव से निकले कामगारों को प्रवासी बना डाला है। इनका भी पूरे देश पर उतना ही अधिकार है जितना अन्य संपन्न लोगों का है। देश के अन्य प्रांतों से अपने घरों की ओर लौट रहे मजदूरों को प्रवासी मजदूर कहने वालों को अपने शब्दों पर गौर करना चाहिए। उनको पता होना चाहिए कि प्रवासी का मतलब होता है ऐसे भारतीय जो दूसरे देशों में रहकर वहां अपना जीवन यापन करते हैं। अगर एक राज्य से दूसरे राज्य में जाकर काम करने वाले प्रवासी हैं तो देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, तमाम दलों के नेता, प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों, पुलिस, सेना, सहित देश भर में अलग अलग राज्यों से आ कर सेवा देने वालों के लिए कौन सा शब्द प्रयोग करेंगे। देश के भीतर किसी को भी प्रवासी कहना गलत है। जो लोग इन कामगारों को प्रवासी कह रहे हैं उनको अपने बारे में बताना होगा कि वे क्या हैं ? दिल्ली में विभिन्न राज्यों में जितने भी लोग कार्यरत हैं क्या वो खुद भी प्रवासी की श्रेणी में नहीं आ जाते हैं। दूसरे प्रांतों से लौटने वाले मजदूर तो कहीं विदेश में भी नहीं रहते हैं। यह तो अपने ही देश में अपने परिवार के साथ अपने गांव में रहते है। अपनी रोजीरोटी कमाने के लिए ये लोग दूसरे प्रांतों में जाकर मेहनत मजदूरी करते हैं। ऐसे लोगों को प्रवासी कहना कहीं से न्यायोचित नहीं लगता है। चूंकि पर प्रांतों में मजदूरी करने वाले यह लोग इतने गरीब व दबे कुचले होते हैं कि इन्हें अपने अधिकारों का भी पूर्णतया ज्ञान नहीं होता है। इसलिए उन्होंने प्रवासी मजदूर कहे जाने का कहीं विरोध नहीं किया। देश के पढ़ेलिखे बुद्धिजीवी तबके को राष्ट्र निर्माण के लिए दूसरे प्रांतों में जाकर ईमानदारी से मेहनत मजदूरी करने वाले मजदूरों को प्रवासी कहना शोभा नहीं देता है। दूसरे प्रांतों में काम करने वाले गरीब लोगों को वहां की सरकारों को भी संरक्षण देना चाहिए। वहां के लोगों को भी उनकी पूरी मदद करनी चाहिए क्योंकि इनकी मेहनत व खून पसीने के बल पर ही उन प्रदेशों के बड़ेबड़े कल कारखाने, उद्योग धंधे चलते हैं। जिनकी बदौलत प्रांत तरक्की करते हैं। आज देश में सबसे बुरे हाल में मजदूर वर्ग है। इनके पास न तो कोई स्थाई रोजगार है ना ही इनको सही ढंग से कोई सरकारी सहायता मिल पाती है। मजदूरों के लिए यदि सरकार कोई सुविधा प्रदान भी करती है तो वह बिचैलियों के हत्थे चढ़ जाती है। मजदूरों का दामन तो अंत तक खाली ही रहता है।

तालाबंदी के दौरान जनता ने देखा है कि हमारे देश के मजदूर कितनी बदहाल जिंदगी जी रहे हैं। महानगरों से अपने घरों की तरफ पैदल जा रहे मजदूरों के पास न तो पहनने की चप्पल थी ना ही ढंग के कपड़े ना ही खानेपीने के साधन। मात्र कुछ दिनों की तालाबंदी ने ही देश के मजदूरों को सड़क पर ला दिया। इससे हम अच्छी तरह समझ सकते हैं कि हमारे देश के मजदूरों की स्थिति बहुत दयनीय है। वह हर दिन कमाकर हर दिन खाने की स्थिति में है। उनके पास इतनी भी क्षमता नहीं है कि वह घर बैठकर एक माह तक अपना गुजारा कर सके।अब समय आ गया है कि देश की सरकार को गंभीरतापूर्वक देश के गरीब तबके के भले के लिए सोचना चाहिए तथा ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए जिससे देश का गरीब तबका भी हर दिन आसानी से भरपेट भोजन कर सके व आवश्यकता की सुविधायें हासिल कर सके। हालांकि केंद्र सरकार ने एक देश एक राशन कार्ड की योजना बनाई है। जिसका देश के लोगों को बहुत फायदा मिलेगा। सरकार को देश के सभी गरीब लोगों के लिए रियायती दर पर राशन व सभी के लिए निशुल्क चिकित्सा की सुविधा अवश्य ही उपलब्ध करवानी चाहिए।

उसमें कहीं किसी सरकारी नियम कानून की अड़चन नहीं आनी चाहिए। देश के हर गांव में आज भी ऐसे सैकड़ों परिवार मिलेंगे जो वास्तविक रूप से गरीब होने के बावजूद भी उनको रियायती दर पर राशन सामग्री नहीं मिल पा रही है। ना ही उन्हें स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है। केंद्र व राज्यों की सरकारों को अपने बजट का सर्वाधिक हिस्सा देश की इस बड़ी गरीब आबादी के विकास के लिए खर्च करना चाहिए। देश का मजदूर वर्ग सुखी रहेगा तभी देश तरक्की करेगा व आगे बढ़ सकेगा।

रमेश सर्राफ झुंझुनू
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

शिक्षा के नए प्रारूपों की प्रेरणा

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल आपदा राहत कार्यों में सक्रिय भूमिका का निर्वाह कर रही है। पिछले दिनों उन्होंने राजभवन से राहत सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया था।

राजभवन और उसके निकट तैनात सुरक्षा कर्मियों की सुविधा पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा वह कुलाधिपति के रूप में ई शिक्षण और बेबीनार आदि को प्रोत्साहन दे रही है। पिछले दिनों कृषि विश्वविद्यालय के बेबीनार में उन्होंने उपयोगी विचार दिए थे, जिनका सीधा संबन्ध आज संचालित राहत कार्यों से भी है। एक अन्य बेबीनार में उन्होने ई शिक्षण पर कारगर विचार दिए। इसमें उन्होंने ठीक कहा कि ई शिक्षण की व्यवस्था इस समय विशेष रूप से उपयोगी साबित हो रही है। शिक्षण प्रक्रिया में ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था को बहुत ही कम समय में लाया गया। इसमें संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया डिजिटल इंडिया अभियान अनेक क्षेत्रों में उपगोगी साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम अपने संबोद्धन में इसका उल्लेख भी किया था। एक समय था जब भारत के पूर्व प्रधानमंत्री ने पद पर रहते हुए स्वीकार किया था कि दिल्ली से गरीबों के लिए यदि सौ पैसे भेजे जाते है तो केवल पन्द्रह पैसे ही पहुंच पाते है। नरेंद्र मोदी ने जनधन खातों व डिजिटल इंडिया अभियान से इस कमी का समापन कर दिया। मोदी ने कहा कि कुछ वर्ष पहले यह कल्पना करना भी मुश्किल था कि गरीबों तक पूरी धनराशि पहुंच सकेगी। आज यह संभव है। लॉक डाउन में भी गरीबों के जनधन खातों में भरण पोषण भत्ते की पूरी राशि ट्रांसफर कर दी गई। इसी प्रकार लॉक डाउन में शिक्षण संस्थान बन्द है,फिर भी ऑनलाइन क्लास व बेबीनार आदि का संचालन हो रहा है। राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल ने शिक्षा में इस प्रगति को सामयिक व सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल ने शिक्षा के नए प्रारूपों को गति दी है। लॉक डाउन में शिक्षक व शिक्षण संस्थान इस दिशा में कारगर प्रयास कर रहे है। इससे शिक्षण के क्षेत्र में इस समय जो व्यवधान आया है,उसका समाधान संभव हो रहा है। इससे समाज में शिक्षण संस्थानों ने अपनी विश्वसनीयता प्रमाणित की है। संस्थान वर्तमान चुनौती से विचलित नहीं हुए। बल्कि वह इसका मुकाबला कर रहे है। इससे विद्यार्थीयों का भी मनोबल बढ़ा है। उनको स्थिति से निराश ना होने का सन्देश मिल रहा है। उनको शिक्षण संस्थान सकारात्मक चिंतन की प्रेरणा दे रहे है,इसके लिए ऑनलाइन अनेक प्रकार के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। शिक्षाविदों तथा संस्थानों द्वारा समाज के लिए ज्ञान और विशेषज्ञता के स्रोत के रूप में कार्य किया जा रहा है। यह सही है कि कोरोना से संबंधित व्यवधान शिक्षकों को शिक्षा के सुधार के क्षेत्र में पुनर्विचार करने का समय दिया है।

इसका सार्थक उपयोग भी किया जा रहा है। राज्यपाल ने स्वयं इसकी प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से दुनिया में ऐसा कभी नहीं हुआ कि सभी स्कूल और शैक्षणिक संस्थान एक ही समय में और एक ही कारण से लॉकडाउन में गए हैं। कोरोना वायरस का प्रभाव दूरगामी होगा। शिक्षा के क्षेत्र में दीर्घावधि में इसका क्या अभिप्राय हो सकता है, इस पर भी पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। इसी क्रम में भविष्य की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप विचार करना चाहिए। भविष्य की पीढ़ियों को शिक्षित बनाने पर भी इस समय विचार किया जा सकता है। क्योंकि यह अभूतपूर्व स्थिति है। लॉक डाउन में जो समय मिला है,उसमें शिक्षक वर्तमान के साथ भविष्य की योजना पर भी विचार कर सकते है। प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि चुनौती बड़ी है, लेकिन इससे ना थकना है, ना टूटना है,ना बिखरना है, बल्कि इसका मुकाबला करना है। रुकना नहीं है, आगे बढ़ते रहना है। राज्यपाल ने भी शिक्षा से जुड़े सभी लोगों से वर्तमान परिस्थिति के मुकाबले हेतु चिन्तन मनन करने का आह्वान किया है। इस समय शिक्षाविद विद्यार्थियों से ऑनलाइन संवाद बनाये हुए है। वर्तमान परिस्थिति के आंकलन व विश्लेषण का यह उचित अवसर है। नए रूप में अध्ययन की दशा एवं दिशा को तय करने का भी यह समय है। कुलाधिपति ने कहा कि ज्ञान धारक के रूप में शिक्षक की धारणा विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है। विशेष रूप से सीखने के चार स्तम्भों ज्ञानयोग, कर्मयोग, सहयोग और आत्मयोग का समन्वय करना होगा। तकनीकी कौशल सीखना अपरिहार्य हैं। फोन टेबलेट,लैपटॉप,कम्प्यूटर आदि का भी सार्थक उपयोग करना होगा।

इसलिए क्लास में शिक्षाविद की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करना होगा। शिक्षा देने के लिए प्रौद्योगिकी का व्यापक प्रयोग आवश्यक हो गया है। शैक्षणिक संस्थान उपलब्ध तकनीकी क्षमता व संसाधन का उपयोग कर रहे है। दूरस्थ शिक्षा सामग्री का विकास करना आवश्यक हो गया है। प्रत्येक छात्र तक शिक्षा पहुँच बनाना आवश्यक है। इसके लिए शिक्षाविदों को नयी सम्भावनाओं व माध्यमों पर विचार करना होगा। कोरोना संकट ने जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित किया है। इसके फलस्वरूप जीवन के प्रति दृष्टिकोण में बहुत बड़ा बदलाव होगा। इसके लिए जीवन शैली में परिवर्तन भी अपरिहार्य हो चुका है। कुलाधिपति ने जभवन से डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार कोविड नाइन्टीन उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के नए आयाम विषय पर उपयोगी विचार व्यक्त किये। वर्तमान समय में इस प्रकार के अनेक बदलाव आवश्यक हो गए है। इनके माध्यम से शैक्षणिक कार्यो का संचालन करना संभव हो रहा है।

www.womenexpress.in

कल के लिए बचाएँ बेटी

हर घर का सम्मान है बेटी।
मातपिता का मान है बेटी।।
बेटों से कमतर मत आँको।
अपने गिरेबान में झाँको।।

नन्हे हाथों से पानी दे।
कोयलसी मीठी बानी दे।।
मातपिता की सेवा करती।
चिहुँकचिहुँक कर घर है भरती।।

रुनझुन पायलसी बजती है।
घर में रौनकसी सजती है।।
देवी माँ का प्रकट रूप है।
बेटी जीवन का स्वरूप है।।

बेटाबेटी दो आँखें हैं।
जीवन की अद्भुत शाखें हैं।।
बेटा यदि कल का सपना है।
बिटिया भी गौरव अपना है।।

इनमें भेद न करना भाई।
दोनों जमकर करें पढ़ाई।।
आओ! चलो! पढ़ाएँ बेटी।
कल के लिए बचाएँ बेटी।।

गौरव वाजपेयी (स्वप्निल)
शाहजहाँपुर (उत्तर प्रदेश)।

अहसान नहीं तुम पर मेरा

लंबी उम्र की दुआ जो
करती हूँ,
सजती संवरती हूँ अपने
लिए भी
क्यों कहूं सिर्फ तुम्हारे लिए
करती हूँ ?
कुछ बातें मैं अपनी खुशी के
लिए करती हूँ

नही चाहती कि तुम भी दुआ
करो मेरी लंबी उम्र की
या तोहफे दो मुझको हजार
समझ सको मुझे बस इतना ही
काफी है ,नही चाहिए
प्यार दुलार
बस समझ सको इतना
कि कुछ बातें
मैं सिर्फ अपनी खुशी के लिए
भी करती हूँ
मानती हूँ तुम मेरी माँ नही
प्यार कैसे दोगे ?
तुम मेरे पिता नही
दुलार भी कैसे दोगे ?
एक साथी तुम में ढूंढ रही हूँ

दे सको तो बस साथ दो
और समझ सको
की कुछ कुछ कभी कभी
मैं अपनी
खुशी के लिए भी करती हूँ
बीत गए वो ज़माने जब
उम्मीदे तुमसे बेशुमार थी
तुम ही तुम थे बस जीवन मे
तुम पे जान निसार थी
अब बस इतनी उम्मीद है

कभी कभी साथ बैठ
सुख दुख पूछ लिया करो
कभी कभी मेरे परिवार को भी
अपने जैसा समझ लिया करो
अगली बार जब घर में
हिसाब करना पाई पाई का
एक बार मेरी भावनाओं का
हिसाब भी कर लेना

तारीफ करने में आड़े आता
हो अहम तो सिर्फ
मुस्कुरा देना
किसने देखे है सात जन्म
सिर्फ ये जीवन खुशगवार
बनाने में यकीन करती हूँ
कुछ बातें में अपनी खुशी
के लिए भी करती हूँ

सुरुचि तिवारी
केंद्रीय विद्यालय
बरनाला,पंजाब ।

दहेज रूपी अमर बेल की जड़ें काटने का सही समय अब

दहेज प्रथा भारतीय समाज में अमरबेल की भाँति इस तरह फैली कि इसने समाज के वट वृक्ष की सभी शाखाओं को न केवल आच्छादित कर लिया अपितु एकएक शाखा की हरीतिमा को सोख लिया। लोलुप तर्कशास्त्रियों ने इसे संस्कृति में अंतर्निहित परंपरा मानने की दलीलें दीं और कुछ ने समाज का अनिवार्य अंग मानकर इसकी जड़ों में अनवरत पानी दिया। जबकि यह प्रथा बेटी की विवाह में लड़के के मातापिता को नकद और विभिन्न तरह के महंगे उपहार देने की अनुचित रिवाज के रूप में आरम्भ हुई। जिसके मूल में बेटी को दिए जाने वाले स्नेहिल उपहार कालांतर में दहेज की परिभाषा में परिवर्तित हो गए।

प्रायः कहा जाता है कि बेटी को पढ़ा लिखाकर आत्मनिर्भर बनाओ जो अनिवार्य भी है, लेकिन एक गरीब पिता जो कर्ज लेकर अपनी बेटी को पढ़ाता है और जब उसकी शादी की बात आती है तो दहेज के लालची लोग अपनी हैसियत का गुणगान करके लाखों रुपये की मांग करते हैं । तब वह पिता फिर विवश होता है, कर्ज लेने के लिए, जमीन बेचने के लिए, गहने गिरवी रखने के लिए।

माता पिता यह सोच कर जीवन भर की कमाई पूँजी विवाह पर खर्च और दहेज के रूप में देने लगे कि

बेटी अपने घर में सुख पूर्वक रहेगी। लेकिन इसका परिणाम विपरीत होगया समाज में यह धारणा बनने लगी कि

इस दहेज़ दानव ने पाप किया है।
बेटी को माँ बाप का बोझ बना दिया है।।

सभी प्रकार की मांग पूरी करने के पश्चात भी उनकी बेटी खुश रहेगी कोई गारंटी नहीं। क्योंकि अक्सर यह देखा जाता है कि लड़के जुआ खेलने , शराब पीने के शौकीन होने लगे हैं तो फिर ऐसी स्थिति में दहेज देने के बाद भी क्या किसी की बेटियाँ सुखी है??

किसी ने लिखा कि पूत सपूत तो क्यों धन संचय। पूत कपूत तो क्यों धन संचय।।

सबसे बड़ी विडम्बना इस बात की है हमारे समाज में दहेज लेना और देना दोनों ही मान,प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाने लगा है । लोग दिखावा करने लगे हैं, समाज में दहेज लेने और देने की एक होड सी लगी हैं क्योंकि लोगों का ऐसा मानना है कि शादी में जितना अधिक धन खर्च किया जाए, दहेज लिया और दिया जाए उतना अधिक समाज में उनका नाम, मानसम्मान होता है।

दहेज प्रथा को लेकर सरकार ने कानून बनाये, बदलते वक्त के साथ बेटियाँ भी खुलकर इस प्रथा का विरोध करने लग गयीं, लेकिन उन्हें यह कहकर चुप करा दिया जाता है कि बिना दहेज उन्हें एक सम्पन्न परिवार नहीं मिल सकता ।समाज में दहेज रूपी अमर बेल की जड़ इतनी फैली चुकी हैं कि नष्ट होने का नाम नहीं ले रही। वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कोरोना महामारी के कारण सरकार ने वर और वधू पक्ष के सिर्फ 2525 लोगों को विवाह में शामिल होने की अनुमति प्रदान की है, इससे यह लाभ हुआ कि जो शादियाँ लाखों रुपये खर्च करने के बाद सम्पन्न होती थीं, वह कुछ हजार रुपये में ही सम्पन्न हो रही हैं और कोई दिखावा, अतिरिक्त खर्चा नहीं हो रहा। इस महामारी के समाप्त होने के बाद भी अगर इसी प्रकार से शादियाँ सम्पन्न होती रहें तो समाज में दिखावा करने की झूठी परम्परा भी समाप्त हो जाएगी, गरीब पिता कर्ज लेने से बच जाएंगे, उनकी जमीन बिकने से बच जाएगी और गरीब पिता आत्महत्या करने से बच जाएंगे। तो अभी लॉक डाउन में हो रही शादियों जैसी ही परपंरा आरम्भ कर सकते हैं। यही समय हैं जब समाज के सभी लोग एक जुट होकर दहेज की अमर बेल को काट सकते हैं, सुखा सकते हैं।

जूली परिहार
एम ए हिन्दी (अध्ययनरत)
अम्बाह, मुरैना, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

क्या कोरोना जेलों का सुधार करवा पायेगा ?

मुंबई सेंट्रल जेल के अंदर संक्रमण के बाद, महाराष्ट्र ने जेलों में बंद आधे लोगों को अस्थायी रूप से रिहा करना शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र सरकार ने एक परिपत्र जारी किया, जो अस्थायी रूप से जमानत और आपातकालीन पैरोल पर राज्य की जेलों में बंद आधे कैदियों को रिहा करने की सुविधा प्रदान करता है। उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और दिल्ली सहित राज्यों ने अपनी जेलों में कोविद 19 मामले दर्ज किए हैं। चीफ जस्टिस एस ए बोबडे ने कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए जेल के अधिकारियों से पूछा है कि वे कोरोना को फैलने से कैसे रोकेंगे. उन्होंने जेल में रखे गए क्षमता से ज्यादा कैदियों को कोरोना के खतरे पर चिंता जताई. उन्होंने जेल अधिकारियों को कोरोना पर लगाम लगाने की वैकल्पिक योजना देने को कहा. केरल की जेल में कोरोना से संक्रमित कैदियों को अलग रखने की व्यवस्था की गई है. अमेरिका और ईरान की जेलों में कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कम जोखिम वाले कैदियों को रिहा किया जा रहा है. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह का कोई सुझाव नहीं दिया. उसने सभी कैदियों की जांच कराने, कोरोना से संक्रमित कैदियों को अलग रखने और उनका तुरंत इलाज कराने पर जोर दिया. चीफ जस्टिस बोबडे ने कहा, ÷सरकार ने वायरस को फैलने से रोकने के लिए सामाजिक तौर पर दूरी रखने की सलाह दी है. लेकिन जेलों में क्षमता से अधिक कैदी हैं, जिससे दूरी रखना मुश्किल है.÷

क्या, कैदियों के लिए जमानत के अधिकार को एक अंडर ट्रायल को जीवन के अधिकार का हिस्सा बनाया जाना चाहिए- जमानत कानून में, कानूनी अधिकार के तौर पर जमानत आवश्यक समय पर अपनी जमा राशि द्वारा ट्रायल या अपील की प्रतीक्षा करने वाले व्यक्ति की जेल से रिहाई है। संविधान का अनुच्छेद 39 ए यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य को निर्देश देता है कि कानूनी व्यवस्था का संचालन समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा देता है और विशेष रूप से, उपयुक्त कानून या योजनाओं या किसी अन्य तरीके से, सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करेगा। न्याय प्राप्त करने के अवसर आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण किसी भी नागरिक से छीन नहीं सकते।

मुफ्त कानूनी सहायता या मुफ्त कानूनी सेवा का अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त एक आवश्यक मौलिक अधिकार है। यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उचित, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण स्वतंत्रता का आधार बनाता है, जो कहता है, ÷कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार कोई भी व्यक्ति अपने जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं होगा। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि एक जमानती अपराध के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है या बिना वारंट के हिरासत में लिया जाता है, उसे जमानत पर रिहा करने का अधिकार है।

2017 में, भारतीय विधि आयोग ने सिफारिश की थी कि सात साल तक की कैद की सजा पाने वाले अपराधों के लिए अधिकतम सजा पूरी करने वाले को जमानत पर रिहा किया जाएगा। जमानत एक मौलिक अधिकार है। जमानत से इनकार करने के लिए लिखित में पूर्ण स्पष्टीकरण के साथ अच्छे कारण मौजूद होने चाहिए। , यह कहा जा सकता है कि यदि किसी व्यक्ति को किसी भी कारण से जमानत के अधिकार से वंचित किया जाता है, तो यह उसके जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। जमानत का अधिकार भारत के संविधान में एक अधिकार के रूप में नहीं डाला गया था, लेकिन यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता के घटक के रूप में अनुच्छेद 21 के तहत एक अधिकार के रूप में विकसित किया गया है। महामारी के समय कैदियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ बहुत है, लॉकडाउन से पहले, राज्य की जेलों में उनकी क्षमता से 50त्न अधिक कैदी थे। यह केंद्रीय जेलों में राष्ट्रीय औसत की तुलना में बहुत अधिक है, जो औसतन 10 कैदियों की क्षमता वाले 10 कैदियों के खिलाफ है।

महाराष्ट्र जेल विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य की जेलों में क्षमता 23,547 है, जबकि तालाबंदी से पहले 35,239 कैदी थे। जेलों का बुनियादी ढांचा बेहद ख़राब है, तंग और भीड़भाड़ वाली जेलें महाराष्ट्र में ज्यादातर ब्रिटिश काल की केंद्रीय जेलें हैं जो संक्रामक रोगों के प्रसार के लिए बम हैं। बैरक में बहुत भीड़ होती है, इसलिए खाने और साफ करने के स्थान नहीं होते । भारत की अंडरट्रायल कैदी संख्या दुनिया में सबसे अधिक है, जेल स्टाफ की कमी भी एक चुनौती है जेल विभाग में 30त्न 40त्न की औसत रिक्ति है।

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस अमिताव रॉय की समिति की जेलों को सुधारने की सिफारिशें दी हैं। स्पीडी ट्रायल सबसे अच्छे तरीकों में से एक माना है। प्रत्येक 30 कैदियों के लिए कम से कम एक वकील होना चाहिए, जो वर्तमान में ऐसा नहीं है। विशेष अपराधों से निपटने के लिए विशेष फास्टट्रैक अदालतें स्थापित की जानी चाहिए।

एक एकीकृत जेल प्रबंधन प्रणाली होनी चाहिए, जिसमें सभी कैदियों के रिकॉर्ड हों, जिन मामलों में गवाह मौजूद हैं और उन दलीलों को स्वीकार करने की स्थिति में एक स्थगन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, प्रत्येक नए कैदी को जेल में अपने पहले सप्ताह के दौरान अपने परिवार के सदस्यों को देखने के लिए एक मुफ्त फोन कॉल की अनुमति दी जानी चाहिए।

कैदियों को प्रभावी कानूनी सहायता प्रदान करना और कैदियों को व्यावसायिक कौशल और शिक्षा प्रदान करने के लिए कदम उठाना चाहिए, परीक्षण के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का उपयोग करना फायदेमंद होगा, कैदियों की रिहाई के बाद की वित्तीय सुरक्षा के प्रबंध हो, ऐसे कैदियों को वेतन दिया जाता है जो सजा काट रहे होते हैं, उन्हें बढ़ाया जाना चाहिए ताकि जब वे बाहर आएं, तो उनके पास कुछ बेहतर वित्त हों। ऐसा तब संभव है जब कमाई के अवसरों को बढ़ाने के लिए जेलों में अधिक कौशल विकास कार्यक्रम चलाये जाये। भारत दुनिया भर में मानव अधिकारों का चैंपियन है, लेकिन भारतीय जेल की निराशाजनक स्थिति भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली में मौजूद विरोधाभास को दर्शाती है। इसलिए जेल सुधारों को दिन के उजाले में देखने की जरूरत है, इसके साथ ही न्यायिक प्रणाली सुधारों और पुलिस सुधारों का होना जरूरी है, क्योंकि ये तिकड़ी आपराधिक न्याय प्रणाली के आधार हैं।

डॉ सत्यवान सौरभ,
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी।
www.womenexpress.in

हिन्दी साहित्य में ऑनलाइन का होना कितना सार्थक

किसी भी चीज की दशा तभी ठीक रहेगी जब दिशा सही हो।दिशा अर्थात मार्ग जो लक्ष्य की ओर जाता हो।लक्ष्य की प्राप्ति वही करता है जिसकी दिशा अर्थात मार्ग सही हो।और जब मार्ग सही होकर लक्ष्य की प्राप्ति कर लेता है तो दशा ठीक हो जाती है।इस कार्य की प्राप्ति के लिए ज्ञान और धैर्य की बहुत आवश्यकता होती है। ऑनलाइन का बढ़ता प्रचलन आज हिन्दी साहित्य काव्य के लिए वरदान साबित हो रहा है।जबसे सोशल नेटवर्किंग का युग आया है सभी अपनी अपनी प्रतिभा निखारने में लगे हैं जो हिन्दी लेखन के लिए शुभ संकेत है।विभिन्न प्रकार के ग्रुप आयोजन और संस्था द्वारा लगातार प्रतियोगिता आयोजन ने तो हिन्दी कवियो को लगातार निखरने के अवसर दे रहे हैं।बहुत से अखबारों ने नियमित अपना पेज कॉलम देकर नवांकुर को एक उत्कृष्ठ अवसर देते हुए देश के समक्ष प्रस्तुत किया है जो हिन्दी और कवियो के साथ साथ सामाजिक जागरूकता के लिए काफी मायने रखता है।

साहित्य भी धैर्य की परीक्षा लेती हुई धीरे धीरे बढ़ती है जिसमे आलोचना तिरस्कार के साथ लोकप्रियता भी मिलती है ऐसी परिस्थिति में आपकी धैर्य की परीक्षा होती है।आज का दौर आर्थिक युग का है और कापी पेस्ट का जमाना जो आधुनिक युग में मोर्डन साहित्य कहलाने लगा है।जहाँ साहित्य चोरी की बढ़ती घटनाएँ और उद्योग की तरह फैलता आधुनिक साहित्य ने कुछ निराश भी किया है उस साहित्य को

जो मूल हैं, जो बिकना नही चाहते, जो वेहतर है उन्हे चकाचौंध भरी व्यवसाय ने अवश्य प्रभावित किया है।एक प्रचलन सा फैलता साहित्य उद्योग जो आये दिन सहयोग राशि के नाम पर रचनाकारो को सहयोग राशि देने के बजाय सहयोग स्वरूप मोटी कमाई कर रहे है।इनमें ऐसे नवांकुरो को प्राथमिकता दी जाती है जो धनी होते है और कापी पेस्ट के उस्ताद यह एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है जिस पर रोक लगाना बहुत आवश्यक प्रतीत होता है। लेखको के लिए सरकारी स्तर पर भी कार्य करने की जरूरत है।इसकी एक मोनिटरिंग टीम होनी चाहिए जो इस तरह के मामलो को देखे तथा प्रतिभावान को चुनकर उन्हें पुरस्कृत करे।देश के विभिन्न समस्याओं पर लिखने वाले लेखको को सरकारी स्तर पर कुछ सुविधा तथा पेंशन की व्यवस्था होनी चाहिए।समाज के लिए एक लेखक का योगदान हमेशा राष्ट्रहित में और प्रेरणापद होता है जो सभी को जागरूक ही करता है जो निःस्वार्थ है अगर इसमें स्वार्थ का समावेश हो जाए तो यह सोने में सुहागा होगा और प्रतिभा के साथ सामाजिक विस्तार संभव हो सकेगा। बहुत से ऐसे रचनाकार है जिनकी माली हालत ठीक नही लेकिन लिखना चाहते है अगर सरकार द्वारा ऐसे लोगो को चिन्हित कर प्रोत्साहित की जाएगी तो वे और दूसरे कार्य न करके लेखन कर सकेंगे। वैसे साहित्य की दशा और दिशा निर्धारित है जिनके शब्दों में मोती होगे वे जरूर निखरेंगे हाँ कुछ वक्त जरूर लग सकते है यह आर्थिक रूपी पत्थर हटाने में ?

आशुतोष
पटना, बिहार ।
www.womenexpress.in

स्वदेशी देश भक्त

वैश्विकरण के युग में
क्या विडंबना है भाई
स्वदेशी अपनाएंगे

क्या पेट्रोल डीजल
अब नहीं मगाएंगे
मोबाइल कूड़ेदान में
अब शोभा बढ़ाएंगे

विदेशी लग्जरी गाड़ियों
से मोह भंग
अब अमीरों का हो पाएगा
गरीब बेचारा तो हमेशा
गामा साबुन से नहाता है

वह बेचारा स्वदेशी अपनाता है
फिर भी देशभक्त क्या
कहलाता है

सम्मान छोड़िए साहब
ठीक से कोई बात नहीं
करता है

आज आत्मनिर्भर सड़कों पर
पैदल चल रहे हैं
पैर में छाले पड़ रहे हैं
हृदय विदारक दृश्य घूम रहे हैं

यह देखकर हृदय रो रहा है
सच में वह पीड़ा में हैं
सामाजिक दूरियों के काल में
भेड़बकरियों से ट्रक में कुछ
भरे हैं

हृदय पर रखकर पत्थर पूछें
कितना आराम तुम्हें हैं
स्वदेशी अपनाइये

किसानी को बढ़ावा दीजिये
मंडी भाव का फ़ायदा
क्यों नहीं है

टमाटर क्यों फेकने को मजबूर
अन्नदाता हैं
विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार
स्वदेशी वस्तुओं की निर्भरता
स्वीकार
अन्नदाता को मिले सम्मान
उनसे ही देश है महान

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

लोकडाउन की राजनीति

देश में लोक डाउन पर सियासी राजनीति चालू है। देशभर के मजदूर मजबूर है और अपने घर पहुँचने के लिए मारे मारे फिर रहे है। एक स्थान से दूसरे स्थान चक्कर काटते काटते पैर जवाब दे गए है। कहीं खाने को मिल रहा है और कहीं फाकामस्ती चल रही है। बच्चे भी साथ है। ट्रैन और बस की आस में लम्बी कतारे लगी है। कहीं साधन मिल रहे है तो कहीं नहीं। लाखों लाखों लोग सड़कों पर है। जिनका कोई धनी धोरी नहीं है। राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेंकने में लगी है। उनमें सेवाभाव कम और राजनीति अधिक दिख रही है। प्रियंका बम भी फुस्स हो गया। यूपी के मुख्यमंत्री योगी प्रियंका को श्रेय देने को तैयार नहीं हुए। बस सियासत फेल हो गयी। प्रियंका कहती हैं कि वह मजदूरों की सेवा करना चाहती थीं। उन्हें रोका गया। योगी आदित्यनाथ की सरकार कहती है ये प्रियंका की सेवा नहीं सियासत थी। पता चला ये बस राजस्थान से आयी थी जहाँ कांग्रेस का राज है। गहलोत सरकार यूँ ही घाटे से जूझ रही है ऊपर से बसें वापस आ गयी। राज्यों की सरकारें पहले अपने अपने राज्यों की जरूरतें पूरी करें इसी में सबका भला है, लेकिन गहलोत सरकार क्या कर रही थी? प्रियंका के एक आदेश पर सैकड़ों बसें यूपी को सौंपने के लिए तैयार हो गई। क्या राजस्थान की सीमा के अंदर वहां के मजदूर अपनी इच्छित जगहों पर पहुंचा दिए गए हैं। यह पूछने वाला कोई नहीं है। प्रियंका की सेवा से मरहूम हो गए। इसी बीच 36 लाख का एक बिल जरूर राजस्थान से यूपी को भेजकर सियासी गर्मी जरूर ला दी है।

कोरोना महामारी के दौरान कोई भी राजनीति से बाज नहीं आ रहा है। भाजपा चाहती है वह जो कर रही है उसका सारा श्रेय उसे मिले मगर विपक्षी पार्टिया भाजपा के गुब्बारे को सुई चुभाने को उतावले हो रहे है। ममता कह रही है कोरोना से तूफान ज्यादा भयंकर है। कांग्रेस की राजनीति तीन लोकों से न्यारी है। वह मोदी को ग्लोबल लीडर बनते नहीं देख सकती। अमेरिका के राष्ट्रपति सहित कई विदेशी शासक मोदी को कोरोना से निपटने में नंबर वन बता रहे है। यह बात कांग्रेस को फूटी आँखे नहीं सुहाती है। यही स्थिति देश के दूसरे दलों की है। प्रवासी मजदूरों से किसी का कोई लेना देना नहीं है।

सभी इसका सियासी लाभ जरूर लेना चाहते है। सेवा पर राजनीति भारी हो रही है। कहीं राशन की सियासत हो रही है तो कहीं एफआईआर की सियासत। राजनीति ने कोरोना भुला दिया और अपनी सियासत चमकाना शरू कर दिया। यह बेहद शर्मनाक है। आज जरुरत इस बात की है की सब मिलजुलकर देश को कोरोना से बाहर निकले और भूखे नंगे लोगों की रोजी रोटी का इंतजाम करें। देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाये तथा जिंदगी को एक बार फिर सुचारु करें।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
डी .32, मॉडल टाउन,
मालवीय नगर, जयपुर।
www.womenexpress.in

धूप और छाँव

धूप और छाँव में
छिड़ गया विवाद
दोनों में कौन है बड़ा
बस यही सवाल

धूप कहे मैं बड़ी
फसलो को में पकाती
छाँव कहे मैं बड़ी
तुझसे त्रस्त प्राणी

मुझमें पातें तसल्ली
धूप में जलते तन को
मैं ही छाया देती
अतः मैं बड़ी

ठंड में ठिठुरते प्राणी
ताप मुझी से पाते
चराचर जगत में
प्रकाश मुझी से पाते

विवाद बड़ा जब दोनों का
गयी विधाता पास
दोनों में है कौन बड़ा
तुम पर आश्रित आज

दुखी होकर विधाता बोले
एक दूजे पर आश्रित आज
दुखी होकर विधाता बोले
एक दूजे पर आश्रित हो तुम

ना कोई बड़ा ना कोई छोटा
हो समान एक भाव
साथ रहोगी तो उन्नति करोगी
ऊंचाईयों के शिखर तक पहुँचोगी

हल हुआ विवाद दोनों का
ईर्ष्या छोड़ प्रेममयी हुयी
एक दूजे का साथ पाकर
प्राणियों का आधार बनी

गरिमा राकेश गौतम
कोटा, राजस्थान।

कोरोना काल में सृजन...

कोरोना काल में सृजन को दें
हम नया आयाम,
समय का सदुपयोग कर, कुछ
अच्छे करें काम।
अच्छे साहित्यकारों के पुस्तकों
को पढ़ डालिए,
गरीबों की कर सहायता,
मनुजता का दें पैग़ाम।।

घर पर रह कर ही मित्रों का
कुशल क्षेम जानिए,
अपने बच्चों को महापुरुषों की
जीवनी बताइए।
महाराणा प्रताप व शिवाजी के
शौर्य की गाथा,
गीत संगीत कविता व
कहानियाँ उन्हें सुनाइए।।

अगल बगल कोई हो भूखा
निवाला उसे दीजिए,
सोशल डिस्टेंस का पालन कर
नातेदारी निभाइए।
घर की साफ सफाई खूब कर
सकते हैं इस समय,
बहुत ही जरूरत हो तभी घर
से बाहर को जाइए।।

इस कोरोना काल के अनुभव
को लिख डालें हम,
वीर सुभाष भगत सिंह के
जीवनी को पढ़ लें हम।
कोरोना के खौफ़ से किसी को
न ही यूँ डरवाइए,
जादू टोना झाड़ फूक से ठीक
होने का न करें भ्रम।।

संक्रमण का संकट काल कुछ
दिन में मिट जाना,
जीवन की पकड़ेगी रफ़्तार फिर
हँसना मुस्काना।
तब तक एहतियात बरतने में
ही होगी समझदारी,
इस महामारी को अपने भारत
देश से है भगाना।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश]।

मुश्किल में मुस्कान

कैसा संकट आ गया
मुश्किल में मुस्कान।
ऐसे हालत देखकर
पसीजे नहीं भगवान।

तिल तिल मर रहे हैं
जागा है इक शैतान।
रोटी के लाले पड़े हैं
सांसत में है जान।

रोजगार भी छिन गया
लाचार हुआ इंसान।
मासूमों की हालत को
तू अब तो पहचान।

जिस मुस्कान पे मरते
अब पहुँच रही श्मशान।
आओ बन तारनहार
विपदा मिटे निशान।

विनोद वर्मा
भिवानी, हरियाणा ।

समय प्रबंधन ही सफलता की पहली सीढ़ी

अनवरत निर्बाध रूप से चलता हुआ समय पृथ्वी पर सबसे कीमती वस्तु है जिसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती।बिगड़ा हुआ स्वास्थ्य,खर्च हुआ धन, रूठा मित्र तो वापस मिल सकता है मगर जो समय निकल चुका है वह लौटकर वापस नहीं आता। गया समय आता नहीं,करनी को कर आज। मत कर सोच विचार तू,कर ले अपने काज।

यदि कोई व्यक्ति समय के मूल्य को नहीं समझता तो समय भी उस व्यक्ति के मूल्य को नहीं समझता है।यदि हम अपना समय नष्ट करते हैं तो समय भी हमें बुरी तरह नष्ट कर देता है। व्यक्ति समय के महत्त्व को पूरी तरह तब समझता है जब इसके लिए बहुत कम समय शेष रह जाता है।

समय प्रबंधन क्या है

समय प्रबंधन का तात्पर्य समय के कुशलता पूर्वक उपयोग से है ताकि इसका सबसे ज्यादा फायदा हो सके।सभी कार्यों को करने का अलग अलग समय होता है,अव्यवस्थित कार्य हमारे जीवन में बहुत उलझन और परेशानियां लाता है लेकिन यही काम अगर हम सोच विचार कर करें तो हमे हमारे कामों में समय प्रबंधन से एक दक्षता मिलती है।समय प्रबंधन और दिनचर्या की योजना निर्माण से ही हम समझ सकते है कि हम हमारा कितना समय उपयोगी बातों को देते हैं और कितना समय अनुपयोगी बातों को। यह जितना आसान लगता है उतना ही इस तकनीक का पालन करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।जो व्यक्ति समय का प्रबंधन कैसे किया जाता है यह सीख गया तो वह जीवन में लगभग सब कुछ हासिल कर सकता है।ऐसा कहा गया है कि सफलता की दिशा में पहला क़दम कुशल समय प्रबंधन है।जो व्यक्ति अपने समय को ठीक से व्यवस्थित नहीं कर सकता वह हर क्षेत्र में विफल हो जाता है।

समय प्रबंधन का महत्त्व

समय प्रबंधन हर व्यक्ति के लिए महत्त्वपूर्ण है,चाहे वह एक छात्र हो,गृहिणी हो,व्यावसायिक व्यक्ति हो या कोई और।यदि वह समय को कुशलता पूर्वक प्रबंधित करने में सक्षम है तभी अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है।कभी हमें यह नहीं कहना चाहिए कि हमारे पास समय नहीं है।हमारे पास भी हर दिन में बिल्कुल उतने ही घंटे हैं जितने कि हेलन केलर, माइकल एंजेलो, मदर टेरेसा, लियोनार्डो दा विंसी या अलबर्ट आइंस्टीन को मिले थे।जीवन की सफलता का रहस्य समय के सदुपयोग में ही अंतर्निहित है।समय प्रबंधन साधारण से साधारण व्यक्ति को भी महान बना देता है।

समय ना ठहरा है कभी,बदली कभी ना चाल

जिसके जैसे कर्म हैं, उसका वैसा हाल। आज तक जीतने भी महापुरुष हुए हैं उनके जीवन की सफलता का एकमात्र रहस्य समय का समुचित प्रबंधन है।यदि हम उपलब्ध समय से पहले ही अपने कार्यों की योजना बनाएंगे तो हम निश्चित रूप से बेहतर निर्णय लेने तथा अपने काम को और कुशलता पूर्वक संभालने में सक्षम होंगे।

समय प्रबंधन का महत्त्व निम्न बिंदुओं से स्पष्ट होता है

1.अच्छी उत्पादकता 9जब हमारे पास पूर्व निर्धारित समय योजना हो तो हमें बस इसे सही तरीके से लागू करना होता है।हमें अपने कार्यों के बीच क्या करना है ,क्या नहीं करना इसके लिए समय बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं होती बल्कि आगे क्या किया जाए ताकि उत्पादकता का स्तर बढ़े बस यही सोचना होता है।

2.प्रेरणा स्तर बढ़ाए9 जब हम कोई लक्ष्य निर्धारित करते हैं तो हमारे प्रेरणा स्तर में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होना लाजमी है।अपने लक्ष्य की पाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं ताकि खुद को साबित कर सके।

3.बेहतर निर्णय करना9 समय प्रबंधन समय की सही योजना बनाने के बारे में है। हम अपने काम की योजना बनाते समय सभी तरह की अच्छाई और बुराई का मूल्यांकन करते हैं जिससे हमें बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है।

4.काम की गुणवत्ता में वृद्धि9 जब हम देखते हैं कि हमें दिन के दौरान क्या करना है और क्या करने कि ज़रूरत है तो योजना बनाने का भाग अपने आप ही पूरा हो जाता है।हमें अपने काम पर ध्यान देने की जरूरत होती है जिससे परिणाम की गुणवत्ता बढ़ती है।

5. कम तनाव 9समय प्रबंधन हमें कम समय में और कम प्रयासों के साथ अपने कार्यों को पूरा करने में मदद करता है ।इस प्रकार यह तनाव से निपटने का भी एक शानदार तरीका है।

समय प्रबंधन की युक्तियां

* दिन में जो कार्य करने हैं उनकी एक सूची तैयार करना।

* प्रत्येक कार्य को करने के लिए समय निर्धारित करना।

* पूरी लगन से अपने कार्यक्रम पर टिके रहना।

* अपनी सूची पर नज़र रखना,कार्यों को पूरा करने के बाद सूची से मिलान करना।

* प्रत्येक दिन कुछ समय के लिए ध्यान लगाना।

* प्रत्येक दिन 7 8 घंटे की नींद लेना।

* पौष्टिक आहार लेना।

लॉक डाउन में समय प्रबंधन

महामारी के कारण हुए लॉक डाउन में आज हर इंसान घर में कैद सा हो गया है।आज हर किसी के पास भरपूर समय है जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी किन्तु इस पर्याप्त समय का भी बिना समय प्रबंधन के समुचित उपयोग नहीं हो सकता।जीवन की भाग दौड़ में जो समय हम स्वयं या परिवार या अपने अधूरे कार्य को नहीं दे पाए,अब समय है कि हम अपने अधूरे कामों,अधूरे सपनों को पूरा करने का प्रयास करें,लेकिन यह भी तभी संभव है जब इसके लिए एक पूर्व निर्धारित योजना बनाकर समय का उचित उपयोग किया जाए। लॉकडाउन का समय कीमती,इसको ना हम व्यर्थ गवाएं। क्या ऐसा कुछ करें कि जिससे पीछे से हम ना पछताएं। समय प्रबंधन द्वारा समय का सदुपयोग ही हमारे जीवन की उन्नति की कुंजी है।वे ही लोग जीवन में सफल होते हैं जो समय का सही तरह से प्रयोग करते हैं।आलस्य रहित होकर यथासमय प्रत्येक कार्य को करना ही समय की उपयोगिता है।जो मनुष्य आज का काम कल पर टाल देते हैं उनका काम कभी पूरा नहीं होता।यदि हम समय को कुशलता पूर्वक प्रबंधित करने में सक्षम हैं तो हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने से कभी पीछे नहीं रह सकते।अतः मानव की सभी सफलताएं, आशाएं,इच्छाएं समय के कुशल प्रबंधन पर ही निर्भर करती हैं।

समय मिलाए धूल में,समय दिलाए ताज। समय संग है जो चला,हुआ उसी का राज।

पवन सोलंकी
सुमेरपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

है कितना दम

आतंकी आकाओं को उनकी औकात
दिखा देंगे
है कितना दम जांबाजों में यह भी
हम दिखला देंगे
माता का कर्ज़ अधूरा है
राखी का फर्ज ना पूरा है
है जिसका रज कण इस तन में
है वसुंधरा ही मन मंदिर में
उस मातृभूमि की रक्षा में अपना
जलवा दिखला देंगे
है कितना दम जाबाजो में यह भी हम
दिखला देंगे
चुन एक एक को मारेंगे हम
उनको जन्नत की लगन लगी
हुरों की आशा में उनको खुरों से हम मारेंगे
पत्थरबाज मासूमों को अब इस
दुनिया से तारेंगे
एक सिंदूर की लाज बचाने को
अपनी ताकत दिखला देंगे
है कितना दम जांबाजों में ये भी हम
दिखला देंगे
इन भाड़े के टट्टूओं को उनकी
औकात दिखानी है
इन कायर धोखे बाजो की घर में ही
कब्र बनानी है
मानव जो दानव बन बैठे
मौत के सौदागर बन बैठे
ऐसे जहरीले सांपों का वंश मिटा देंगे
घर में घुस घुस कर अब हम उन को
धूल चटा देंगे
है कितना दम जांबाजों में यह भी
हम दिखला देंगे

निलेश जोशी विनायका
बाली, पाली (राजस्थान)।

तुम्हारा साथ

तुम्हारा आना जीवन में
कई खुशियों का आना है
तुम्हारा साथ जो पाया तो
मुट्ठी में जमाना है
तुम्हारी जुल्फ जो देखूं तो
बादल से नजर आए
तुम्हारे माथे से चेहरे की
सुंदरता निखर जाए
तुम्हारे होंठ हैं कलियां
तुम्हारे दांत हैं मोती
करती सूना दिल रोशन
तुम्हारे आंखों की ज्योति
तुम्हारे बोल जैसे राग,
मीठा सा तराना है
तुम्हारा साथ जो पाया तो
मुट्ठी में जमाना है
तुम्हारा रंग सोने सा
तुम्हारा रूप मनभावन
तुम्हारे दिल में करुणा है
तुम्हारी भावना पावन
तू शर्मोहया के दायरे में
सिमट के है
तुम्हारी हर अदा हर बात
इस दुनिया से हट के है
तुम्हारे देख के जलवे मेरा
ये दिल दिवाना है
तुम्हारा साथ जो पाया तो
मुट्ठी में जमाना है
तुम्हारा साथ जो पाया तो
मुट्ठी में जमाना है

विक्रम कुमार
मनोरा, वैशाली ।

संदेश

आज फिर उनका संदेश
आया है,
सुनकर यह खबर,
सूने सूने घर आंगन ने ली
अंगड़ाई है,
खिड़की, दीवारों ने चुप्पी
तोडी है,
बिखरी सांसों की तरंगों ने,
एक नया साज बनाया है।
आज फिर उनका संदेश
आया है।
धुन उनके फिर से आने की
मन में गूंज उठी है,
बुझा बैठी थी चौखट दीयों
को,रुख हवा के फिर से उन्हें
जलाया है।
लगता वो आ रहें हैं,
आज फिर उनका संदेश
आया है।
रात अँधियारी लगता दिवस सा था,
फ़ैला उजियारा उनके आने का,
जीत रहा दिल जिसको सपनों
में,आज पलकों पर तस्वीर कोई
उभर आई है,
अक्षर अक्षर हर पंक्ति में,
निखार फिर से लाया है,
आज फिर उनका संदेश
आया है।

घर के दवारो ने , उसी पुरानी
रीति से,
जिज्ञासा में आकर पट
सारे खोलें है,
जिन होंठों ने साधी चुप्पी थी,
वो फिर से सहमे सहमे
बोले है,
आज फिर उनका संदेश
आया है।

रेखा पारंगी अध्यापिका।
जंवाई बांध पाली, राजस्थान।

मुक्तक

पंछी उड़ कर जाए कैसे ,
अब तो अपने गांव रे !
मेरे देश में भायी उनको ,
ठंडी मीठी छांव रे !!
दूर गगन में उड़कर ,
कहते है बस बात यही !
स्वदेश ना जाए अब तो ,
बदले हमारे भाव रे !!

सुनील पोरवाल शेलु
नीमच (म. प्र.)।

लिट्टी की नियति

आज पार्वती बहुत खुश थी ,
दिल्ली जो जाना था उसे । बेटे
मनोहर ने टिकट कटवा दिया था
दिल्ली आने का । कहा था माँ , मैं
डेरा ले लिया हूँ , पर छुट्टी नहीं मिल
रही मुझे । रमेसर चचा के साथ तुम
गाड़ी से आ जाना , मैं स्टेशन आ
जाऊँगा लिवाने । पार्वती का मन
भर आयाट्ठ एक ही तो बेटा है मेरा ,
पर है एकदम्मे सपूत । जे कमाता है
घरे भेज देता है । दू दिन पहले फोन
पर पार्वती ने पूछा का ला दें बेटा
हियाँ से तो पहले तो उसने मना कर
दिया , फिर कहाट्ठ अम्मा , गोइठा
पर के सेंकल लिट्टी , खाजा और
खोवा वाला अनरसा लेते आना , ई
सब यहाँ नहीं मिलता है , बड़ी दिन
हो गया खाये ।
पार्वती सब बना के झोला में
रख ली थी। ट्रेन में बगल वाली
महिला ने पूछा भीट्ठ बहिन जी , ई
में का ले जा रहे हैं , बड़ी बढ़िया
महक रहा है । पार्वती बताने
लगीट्ठका कहें , हमार मनोहरा अबरी
बोला है लिट्टी लाने , वोही दू चार
ठो बना लिये हैं ।
दिल्ली पहुँचते ही उसकी आँखें
मनोहर को ढूँढने लगी । कहीं न
दिख रहा वो , फोन पर भी केवल
घंटी बज रही , केतना काम में
बिजी है। रमेसर चचा बोलेट्ठट्ठभौजी
, पता दिया है हमरा के , चलिए
टेम्पू से चलते हैं ।
रास्ते में भीड़ देख पार्वती
पूछीट्ठट्ठइं कउन चीज के भीड़ है
भईया , एतना आग लागल है ,का
हुआ है ।
टेम्पू वाला बताने लगा , कैसे
घर ,दूकान सब जला दिया गया
,केतना लोग तो मर गया है। पार्वती
राम राम करते मनोहर के डेरा पर
पहुँची , हियाँ भी भीड़ लगी थी ।
का है जी ,काहे भीड़ लगा है
हियाँट्ठट्ठपार्वती ने पूछा । तभी भीड़
में किसी ने कहा, मनोहर नाम का
एक लड़का रहता था यहाँ, आज माँ
आने वाली थी उसकी, उसे ही लाने
स्टेशन जा रहा था कि रास्ते में
दंगाईयों की भीड़ में रौंदा कर मर
गया। सुनाते ही पार्वती चीख भी न
पायी और बेहोश होकर वहीँ गिर गई
। झोले से सब लिट्टी बाहर आकर
लुढकने और पैरों तले रौंदाने लगे ,
मानो उनकी नियति भी मनोहर की
तरह बदनसीब हो ।

वीणा
झुमरी तिलैया, झारखण्ड।
www.womenexpress.in

मेरा संदेश

सावधानी से ही अब तो
मिला कीजिये,
तय फासला जरूर अब
रखा कीजिये

अगर वाइरस से बचकर
रहना है तो,
सेनेटाईरिज करके सब
चला कीजिये
सजग और सावधान रहो
अब सदा ,

अपनों से दूर प्रयासों से
बला कीजिये
बचाव और डर ही बचा
सकता है हमें,
रोज रोज की खबरों को
सुना कीजिये

अपनी पुरानी आदतों में सब
सुधार करे,
जल्द ठीक हो जाये सब ये
दुआ कीजिये
आज छुप गये है चेहरे सब
मास्क के पीछे,
आँखो के भावों में ही अब
पढा कीजिये

जरूरत होने पर ही तुम
निकलो बाहर,
अन्यथा तुम घर ही सुरक्षित
रहा कीजिये

रोगो से लड़ने की क्षमता
बढ जाये ज्यादा,
खाने पीने में शुरू कुछ
अब नया कीजिये

सीमा लोहिया
झुंझूनू (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

इस दुनियां में तेरी पहचान बहुत है

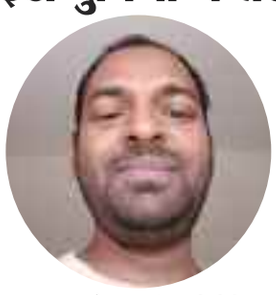

सुना है इस दुनियां में तेरी
पहचान बहुत है
झूठ के इन बाजारों में तेरी
दुकान बहुत है

एक झटके में वादों का समंदर
ला सकते हो
अपने फिरकी करामातों का
गुमान बहुत है
ले आओ बैठा दो एक और
सूरज यहां पे
तेरे लिए तो इस जहां में
आसमान बहुत है
मुफलिसों को रहने की
झोपड़ियां नसीब नहीं
शाही श्वानों के लिए शहरों में
मकान बहुत है

जिनके जाने पर सभाओं में
मौन बैठे थे
आज देखा, उनके चेहरे पर
मुस्कान बहुत है

सात खूनों का इल्ज़ाम लगता
रहा है जिस पर
चंचल इस रियासत में ऐसे
खानदान बहुत है

जितेन्द्र कुमार चंचल
हसपुरा औरंगाबाद, बिहार।

थमना ही था

आधुनिकता की रफ्तार में
कुदरत को पीछे धकेल चले थे
.....तो थमना ही था
खुद को खुदा समझने
की होड़ में
वजूद कुदरत का मिटाने
चले थे
.....तो थमना ही था
ममतामयी सरिता थी मंद
मंद बहाव में
रोड़े पत्थर डाल के मुख मोड़ने
चले थे
.....तो थमना ही था
निर्मल झरने गाते थे राग
मल्हार में
तोड़ के पर्वत ,गाड़ने इमारत
चले थे
.....तो थमना ही था
झूमती थी प्रकृति शीतल
फिजाओं में
और ये विष हवाओं में घोलने
चले थे
.....तो थमना ही था

नीतु झारोटिया (रुद्राक्षी
अजमेर (राजस्थान)।

कठिन घड़ी

इस समय भारत सहित पूरा विश्व
कठिन घड़ी का सामना कर रहा है।
इस समय पूरे विश्व में लगभग
240000 लोगों की मौत हो चुकी है
और लगभग 13,47,689 लोग
कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं।
2मिलियन लोग इस संक्रमण से
ठीक भी हो चुके हैं ।
डब्ल्यू0एच0ओ0 को चिन्ता इस
बात की भी है कि भारत विश्व के
ज्यादा जनसंख्या वाले देशों में
शामिल है इसलिए भारत में संक्रमण
फैलने की आशंका ज्यादा थी परन्तु
हमारे प्रधानमंत्री ने चार बार
लॉकडाउन घोषित करके
डब्ल्यूएचओ की चिन्ता को कम कर
दिया है। दुनियाभर को धौंस दिखाने
वाला अमेरिका भी घुटनों के बल बैठ
गया है एवं भारत की ओर देख रहा
है। इस कठिन समय में सभी
देशवासियों को धैर्य के साथ रहना है।
भारत में इस समय 113461लोग
संक्रमित हैं तथा 3457लोगों की
कोरोना वायरस से मौत हो चुकी है।
इस वायरस से45299 लोग ठीक हो
चुके हैं। हमारे डॉक्टर, नर्स, पुलिस,
मीडिया जीजान से इस संक्रमण के
खिलाफ लड़ रहे हैं कुछ डॉक्टर
मेडिकल स्टाफ पुलिस मीडिया के
लोग कोरोना से संक्रमित हो रहे है
हमारे प्रधानमंत्री जी ने इन कोरोना
वारियर्स को धन्यवाद ज्ञापित किया।
पूरा भारत इन लोगोंका धन्यवाद देता
है। इस समस्या से लड़ने के लिए वे
अपने परिवार के लिए समय नहीं
निकाल पा रहे है। हमारे प्रधनमंत्री ने
हाल ही में मुस्कुरायेगा इण्डिया नामक
वीडियो जारी किया है। इसी
मुस्कुराहट के साथ हम सभी का यह
कर्तव्य है कि लॉकडाउन का पालन
ईमानदारी से करें तभी हम कठिन
घड़ी से उबर पायेंगे। हमें चीन, स्पेन,
अमेरिका, इटली से सीख लेनी होगी
वर्ना वह दिन दूर नहीं कि हमारी
हालत इन देशों से भी बद्तर हो
सकती है। संकट की इस घड़ी मे
लोकडौन को बढ़ाया गया है
निजामुद्दीन की मरकट के जमातियों
ने संक्रमितों की संख्या बढ़ दी
है।लेकिन लोकडौन का पालन करना
है ।हमें पूर्ण विस्वास है कि इस कठिन
घड़ी में हम जल्दी ही उबर जाएंगे

साक्षी श्रीवास्तव
कक्षा12, श्री विनायक एकेडमी,
इन्टरनेशनल सी0से0 स्कूल, उई।

एक जमाना ऐसा था

एक जमाना ऐसा था जो,
देखा नहीं सुनने मे आया

पितृ वचन, पुत्र उर माही,
मन्त्रों की तरह सजाता था

पिता का मान बड़ों का सम्मान,
अनुजो की नयन का तारा था

भावज निज मात, पितृ सम भ्राता,
जननी को सखा बनाता था

बहिन बुआ का सुअवसर पर,
मंगलाचार कराता था

एक जमाना ऐसा था जो,
देखा नहीं सुनने में आया

शूल चुभे जो एक पग माही,
सब परिवार कराहता था
गर मिलती शुभ घड़ी कभी तो,
महापर्व की तरह मनाता था

सीमित साधन होने पर भी,
खुशियां अपार जुटाता था

प्रकृति की रीति नीति को,
ही सर्वत्र अपनाता था

एक जमाना ऐसा था जो,
देखा नहीं सुनने में आया

मे जन्मी इक्कीसवीं सदी मे,
दुविधाओं ने घेरा है

अब रिश्तों ने स्व अर्थ ही खोया,
एकाकीपन का साया है

अपील करू मानव से मानवता
के नाते,
आओ मिलकर करें दुरुस्त
पूर्वजों के उन उसूलों को

एक ज़माना ऐसा था जो,
देखा नहीं सुनने में आया

सुमन कुमारी मीना
दौसा, राजस्थान।

हम सफर

अपना हाथ तेरे हाथ में दें रही
थाम तो लोगे न?

मजबूती से पकड़ कर रखोगे
साथ छोड़ोगे तो नहीं न?

पूरी खुशियाँ तुझ पर लुटा दूंगी
मुझे गम तो नहीं दोगे न?
कदम से कदम मिलाकर
चलने की बात करते हो
मुसीबत में पीछे नहीं हटोगे न?
माँपिता, भाईबहन, दोस्तों को
छोड़ कर आउंगी
सबका किरदार निभा पाओगे न?

मेरी गलती पर डांटकर नहीं
प्यार से समझाओगे न?

सीता की तरह तुम्हें पूजूंगीद्य
राम की तरह पत्नीव्रता धर्म
निभाओगे न?

मन में डर है, तेरे दर पर
कैसे आऊंगी
मेरे डर पर काबू करके
गृहप्रवेश करवा दोगे न?

ट्विंकल वर्मा,
आसनसोल (पश्चिम बंगालं)।
www.womenexpress.in

व्यथा

एक तो कोरोना का कहर ऊपर
से राजनीतिक सियासत के वार पर
वार और हम बेबस मज़दूर मारे मारे
इधर उधर घूम रहे हैं। हमारी व्यथा
कौन सुने, कौन समझे, कौन
सुलझाये हमारी बेबसी की ये
तस्वीर जो रोज़ सड़कों पर कराह
रही है। हर सड़क, हर शहर , हर
महानगर का हुआ ये नज़ारा। रोज़
हो रहे मौत के हवाले हो दुर्घटना
ग्रस्त कभी पटरी पर कभी सड़क
पर फिर भी मिल नहीं राह कोई
अपने घर पहुंचने की। भूख, प्यास,
थकान, बेबसी, मजबूरी बनी हमारी
व्यथा ऐसी जिसने भर दिया दर्द ही
दर्द जीवन में हमारे। फिर भी सुलझ
नहीं रही सियासी चालें
न ही पसीज रहा कलेजा
उनका देख ये व्यथा हम बेबस
मजदूरों की जो बन प्रवासी हुए
मजबूर पलायन को। कहीं पड़ रही
मार राज्य सरकारों की, कहीं पुलिस
के डंडों की और हम सड़कों पर दर
दर बस भटक रहे ले अपने बच्चे,
बीवी, बूढ़े माँ बाप को सहते गर्मी
की मार बस बेबस , बेहाल ,
मजबूर हम मज़दूर।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा ।

मैंने हसती खेलती जिंदगी में बहुत कुछ देखा है

लोग लब्जो को तो सुन लेते है,
लोग बातो को भी सुन लेते है पर
खामोशी का उनको भनक भी नहीं
लगती मैंने उस चुप्पी को दुःख,
परेशान, और उदास देखा है, जो कुछ
कह नहीं पाते, मैंने इंसान के इस
बढ़ती हुई कमी को देखा है । कुछ
लोग ऐसे होते है जो कि, अपने
मतलब के लिए हाथ मिलाते है फिर
वो 2410 दिन साथ निभाते है और
फिर मतलब पूरा होते ही अपना दोनों
हाथ छुड़ा लेते है , और फिर वो दूसरे
की तरफ हाथ बढ़ाएंगे, बातें बड़ीबड़ी
सुनाएंगे, वो थोड़े पल के लिए अपनी
तारीफे पाएंगे मैंने ऐसे लोगो को नीचे
गिरते देखा है । मां पापा, दादा दादी,
चाचा चाची , भाई बहन ये सब रिश्ते
जब पास होते है तो ज्यादा राश नहीं
आते है । हम उनसे वो हमसे रोज
कितना लड़ते झगड़ते है हर एक बात
के लिए एक दूसरे को कितना कुछ
कह जाते है । हर छोटी छोटी बात के
लिए सच में , आपस में उल्टे सीधे
नाम से चीढाते हैं ये सब शायद बहुतों
के साथ होता है । बस क्युकी ये रिश्ते
हमारे साथ में रहते है । लेकिन कब
क्या हो जाए वक्त को , हम सब में से
कोई नहीं जानता जब कोई अपना
खाश हमें छोड़ चांद के पास चला
जाता है । इस बुरे वक्त को हमने बहुत
पास से देखा है और तो कुछ जानबूज
कर परिवार को खो बैठते है , लेकिन
बाद में ऐसे लोगो को, परिवार की
सच्ची अहमियत जान करके पछताते
हुए देखा है । सच में जिन्दगी के
काफी पड़ाव से निकली मैं , कितना
सब कुछ बदलता देखा है । कितने
साथी बदलते गये , कितने लोग
बदलते गए , कितना कुछ जो हमेशा
के लिए लगता था अपना मैंने उसे पल
भर में खतम होते देखा है मैंने इस
संकट की घड़ी में मजबूर गरीबों को
रोते बिलखते देखा है , अच्छे को बुरा
होते देखा है , बुरे जो अच्छा होते देखा
है । गैरों को अपना और अपनों को गैर
बनता देखा है, हमने खुद इन सबसे
बहुत कुछ सीखा है, मैंने खुद को
नासमझ से समझदार बनते देखा है ,
मैंने हसती खेलती जिंदगी में बहुत
कुछ देखा है ।

प्रिया कसौधन (पूर्वी)
अयोध्या (फैजाबाद)।
www.womenexpress.in

विकास ही नज़र आयेगा

फिर भी देश वासियों ,
किसे क्या ....नजर आएगा।
विकास ही नज़र आयेगा

आज़ादी के मूल्यों का ,
देश क्या क्या मूल्य चुकायेगा

अब तक देश ही जानता है
राजनीतिक दलों द्वारा,
कितना घसीटा जायेंगा

फिर भी देश वासियों,
विकास ही नज़र आयेंगा
सभ्यता की आड़ में ,
विदेशी रंग चमचमायेंगा

अपना देश गंदा,
विदेश साफ ही नज़र आयेंगा
मेरा भारत झाड़ू पकड़ के,
स्वच्छता अभियान चलायेंगा
फिर भी देश वासियों,
विकास ही कहलायेंगा

शिक्षा जो आधार है,
एक देश के विकास का

मानवता के बौद्धिक उत्थान का
आरक्षण से कौशल का ,
नाश कर जायेंगा

योग्य रह जाएंगा पीछे,
सरकारी पदों पे,
आरक्षण का कोढ़ चढ़ आयेंगा

फिर भी देश वासियों,
अपने फायदों के लिए
विकास ही नज़र आयेंगा

कानूनों को अनुछेदों में रखकर
रिश्वत का कानून बन जायेंगा

जुर्म, अत्याचार, बलात्कार का,
ग्राफ चाहे, कितना भी बढ़ता ही जायेंगा
फिर भी देश वासियों ,
विकास ही नज़र आयेंगा

नैतिकता के मानों पर,
सकींर्णता के पैमाना लग जायेंगा
वेदों की जगह ,
मैजिक बाबा आ जायेंगा

मन की शांति का तो पता नही
पर शांति संग पकड़ा जायेंगा

फिर भी देश वासियों,
विकास ही नज़र आयेंगा
झूठ के पीछे भीड़ होगी
सच अकेला रह जाएगा

जीवन की इस दौड़ में,
आदमी मशीन बनकर रह जायेंगा
कोई समझेगा उसे ,
यह सोच सपना बनकर रह जायेंगा

फिर भी देश वासियों,
भाषणों में
विकास ही नज़र आयेंगा

सरकार की नीतियों के फेर
बदल में,
आम आदमी पिस कर रह जायेंगा

मेरे जैसा कोई भुलक्कड़ ,
जमा किया, एक हज़ार,
रख कर भूल जायेंगा
दूसरी तरफ रुपैया बदल जाएगा।
फिर मिलने पर उन ,
कागज़ के टुकड़ों से क्या पायेंगा
काला धन मिला या नहीं
किसी गरीब का एक सिक्का
भी जायेंगा

फिर भी देश वासियों,
विकास ही नज़र आयेंगा
जो समाज में चाहते है ,
बदलाव आयें

वो चर्चाये ,विवादों तक ही
रह जायेंगा
जिनकी कोई नहीं सुनता

वो विचारवान फेसबुक पर
नज़र आयेंगा
गूगल जिस विकास को ढूँढ
रहा है

वही विकास,
विकास को खोजता नज़र आयेंगा
कुछ इस तरह से विकास,
विकास कर पायेंगा
एक दिन विकास जरूर जीत जायेंगा

प्रीति शर्मा (असीम)
नालागढ़, हिमाचल प्रदेश।
www.womenexpress.in

मानव पर मौसम की मार

मौसम आज क्यों इतना बदला है?
क्या किसी ने प्रकृति को छेड़ा है?

क्यों हो रही है, हर दिन
नई आफ़त?
प्रकृति बिगड़ी या फिर कलयुग
की करामत।

क्यों हाहाकार मचा है
जीवन को?
चक्रवात उठा क्या ध्वंस को?

क्यों जीवन देने वाले जल ने
बदला रूप?
आह! जल का, ये कैसा
प्रचंड स्वरूप।

हर ओर बस हो रहा, ध्वंस
का गर्जन।
या हो रहा, किसी नव युग
का सृजन।

एक तो यह महामारी का वार।
उसपर भी मौसम का प्रहार।

अब सुधार भी जा तू मानव,
प्रकृति का देख रहा तू तांडव।

कहीं कांपती धरा, कहीं जल
ही जल भरा।
कोई भूल हुई जन से तो,
माफ़ करो
ओ.....! प्रकृति सुंदरा।
तो, माफ़ करो...
ओ.....! प्रकृति सुंदरा।

पूजा कुमारी बाल्मीकि
दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल ।

ये जालिम इश्क

अनछुए प्रेम में जोगन सी मचलना,
प्रेम गीत में मीरा की तरह झूमना,
मन ही मन उदडे हुए ख्वाबों
को बुनना,
राधा की तरह श्री कृष्णा को चुनना,

ये जालिम इश्क कभी ना करना।।

गहरी छाव में आंख मूंद खुद
से बात करना,
प्रेम की बाहों में पतझड बन
कर बिखरना,
अनछुए अहसास को छूकर निखरना,
आइने में खुद को निहार
कर सवरना,
ये जालिम इश्क कभी ना करना।
टूटते तारो से किसी को मांगना,
इश्क में धर्मो को लंगना
मंदिर मस्जिद जाकर किसी को
मांगना,
वर्त कर्म के भोग लगाना,
ये जालिम इश्क कभी ना करना

टूटते तारो से किसी को
मांगना,
इश्क में धर्मो को लंगना
मंदिर मस्जिद जाकर किसी को
मांगना,
वर्त कर्म के भोग लगाना,
ये जालिम इश्क कभी ना करना

रोते रोते हाथ आसुओं से भर जाना,
मुंह में कपड़ा रख जोर से चिलाना,
मन के आसुओं को सब से छुपाना,
टूटे दिल को बार बार समझाना,
ये जालिम इश्क कभी ना करना।।

रीमा मिश्रा नव्या
आसनसोल(पश्चिम बंगाल)।
www.womenexpress.in

एक नजर

भारतीय अर्थव्यवस्था में 2020-21 में आ सकती है गिरावटः मूडीज

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस का अनुमान है कि 202021 में भारतीय अर्थव्यवस्था में गिरावट देखने को मिल सकती है। यह चार दशक में पहली बार होगा जब कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये जारी 'लॉकडाउन' (बंद) की वजह से खपत कम होने और कारोबारी गतिविधियां थमने से चुनौतियों का सामना कर रही घरेलू अर्थव्यवस्था में गिरावट आएगी। मूडीज के मुताबिक कोरोना वायरस संकट से पहले भी भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर धीमी पड़ गयी थी और यह छह वर्ष की सबसे निचली दर पर पहुंच गयी थी। सरकार द्वारा आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज में उठाए गए कदम उम्मीदों के अनुरूप नहीं हैं, अर्थव्यवस्था की समस्याएं इससे बहुत ज्यादा व्यापक हैं। मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''अब हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 202021 में भारतीय अर्थव्यवस्था की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में वास्तविक गिरावट आएगी। इससे पहले हमने वृद्धि दर शून्य रहने की संभावना जतायी थी।'' हालांकि मूडीज ने 202122 में देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद जतायी। यह उसके पूर्ववर्ती 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से भी मजबूत रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कोविड19 लॉकडाउन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ने की संभावना है। यह सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र को प्रभावित करेगा। उल्लेखनीय है कि देश में 25 मार्च को लॉकडाउन की घोषणा की थी गयी।

अमेरिका में इंफोसिस शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा रद्द

नई दिल्ली। इंफोसिस ने शुक्रवार को बताया कि अमेरिका की एक जिला अदालत में कंपनी और उसके कुछ कर्मचारियों के खिलाफ दायर मुकदमे को रद्द कर दिया गया है। इससे पहले कुछ व्हिसिलब्लोअर ने पिछले साल अक्टूबर में शिकायत की थी कि कंपनी के शीर्ष प्रबंधन द्वारा कथित रूप से अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इंफोसिस ने बताया था कि उसे कुछ व्हिसिलब्लोअर की शिकायतें मिली हैं कि कंपनी के कुछ शीर्ष प्रबंधक कथित रूप से अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। इस बारे में अमेरिकी बाजार नियामक प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग ने भी जांच की थी। कंपनी ने बताया कि 21 मई 2020 को वादी ने बिना किसी पूर्वाग्रह के मुकदमे को स्वेच्छा से खारिज कर दिया। व्हिसिलब्लोअर ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलिल पारेख और मुख्य वित्त अधिकारी निलंजन रॉय के कथित अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने की शिकायत की थी। इसके बाद कंपनी ने इस मामले की आंतरिक जांच शुरू कर दी थी। इस साल जनवरी में कंपनी ने कहा था कि उसकी ऑडिट समिति को पारेख और रॉय के खिलाफ अनैतिक गतिविधि में शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला है। बाद में कंपनी ने दोनों को क्लीन चिट दे दी थी।

गाजियाबाद में बाजार खोलने के दिन और नियम तय

(विशेष संवाददाता)

गाजियाबाद । लॉकडाउन 4.0 के तहत गाजियाबाद में व्यापारिक प्रतिष्ठानों को खोलने की गाइडलाइन जारी कर दी गई हैं। बाजार खुलने के दिन निर्धारित किए गए हैं। सभी बाजार सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक खुलेंगे और रविवार को पूरी तरह बंद रहेंगे।

ग्राहक सोमवार से ही खरीदारी कर सकेंगे। दो दिन दुकानदारों को लंबे समय से बंद पड़ी दुकानों को साफ करने का समय दिया गया है। दुकानों के आगे अतिक्रमण होने पर भारी जुर्माना लगेगा। शुक्रवार को जिला प्रशासन की ओर से बजार खोलने के लिए नए दिशा निर्देश जारी कर दिए गए।

लॉकडाउन 4.0 शुरू होने के बाद केंद्र और राज्य सरकार की ओर से बाजार खोलने के दिशा निर्देश जारी किए थे। जिला में इन दिशा निर्देश के लागू करने के लिए जिलाधिकारी को जिम्मेदारी दी गई थी। जिस समय यह गाइडलाइन

जारी की गई उस समय गाजियाबाद ऑरेंज जोन में था। इसके बाद व्यापारियों को उम्मीद थी कि बाजार जल्द खुल जाएंगे। इस पर जिलाधिकारी ने सभी व्यापारिक संगठनों से उनके प्रस्ताव मांगे।

गाजियाबाद के 34 बाजार नियम के साथ खुलेंगे

इसी दौरान संक्रमण के बढते मामलों के देखते हुए प्रदेश सरकार ने गाजियाबाद को ऑरेंज जोन से रोड जोन में आ गया। इसको देखते हुए बाजार खुलने की उम्मीद पर मानों ब्रेक लग गए। बावजूद इसके कड़ी शर्तों के साथ जिलाधिकारी ने बाजार खुलने के दिशा निर्देश जारी कर दिए। जनपद के 34 बाजारों को चिन्हित करके उनको खोलने के दिन तय किए गए हैं।

यानी जो बाजार या दुकान जिस दिन खुलेगी उससे अगले दिन बंद रहेगा। यानि हर दुकानदार सप्ताह में दिन दिन तक दुकान खोल सकेगा। कोलानियों व सोसाइटी में दुकान दाएं और बांए के नियम से तीनतीन दिन खुलेंगी। जिला प्रशासन की नई गाइडलाइन का सभी व्यापारिक संगठनों से स्वागत किया है।

घरों में काम करने वाली साहिकाओं के आवागमन पर कोई पांबदी नहीं है। यह पहले भी आवागमन कर रही है। कुछ सोसाइटिओं में अपने स्तर पर पाबंदी लगाई गई है। इसको लेकर प्रशासन आरड्ब्ल्यूए से वार्ता करेंगे मामले को निस्तारित करेगा।

सैलून, स्पा सेंटर और पार्क नहीं खुलेंगे

लॉकडडाउन 4.0 में सैलून, स्पा सेंटर और पार्क नहीं खुलेंगे। सैलून और स्पा सेंटर को लेकर सरकारी की ओर से कोई दिशा निर्देश नहीं दिए गए हैं। इसको लेकर सरकार के निर्देशों का इंतजार किया जाएगा। फिलहाल सैलून और स्पा सेंटर पर पाबंदी रहेगी। पार्कों में भीड़ और लोग एकत्र न हो इस कारण पार्कों में जाने पर भी पाबंदी होगी।

दो सवारी के साथ कैब चलेगी

दो सवारियों के साथ कैब चलेगी। इस दौरान दो बच्चों को साथ चलने की छूट होगी। सवारियों मास्क पहनकर रखेंगी। दो पहिया वाहन पर केवल एक सवारी होगी। महिला को पीछे बैठने की इजाजत होगी। दुपहिया वाहन चालक को हैलमेट पहनना होगा।

महामारी के बीच सरकार विरोधी प्रदर्शन भाजपा पर ही भारी पड़ेगाः शिवसेना

मुंबई, (वेबवार्ता)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना ने शुक्रवार को कहा कि कोविड19 वैश्विक महामारी के दौरान उद्धव ठाकरे सरकार के खिलाफ भाजपा का विरोध प्रदर्शन पार्टी पर ही उल्टा पड़ेगा।शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में महाराष्ट्र विकास आघाड़ी सरकार के महामारी से निपटने के तरीके की तुलना केरल के मॉडल से करने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल की आलोचना की।संपादकीय में कहा गया है, ''ऐसा लगता है कि पाटिल ने केरल मॉडल का अध्ययन नहीं किया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन केंद्र के दिशा निर्देशों का पालन नहीं करते और उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वीडियो कांफ्रेंस में भाग लेना समय की बर्बादी है।''मराठी दैनिक अखबार ने भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र में प्रदर्शन करने के बजाय पाटिल और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस को केरल में प्रदर्शन करना चाहिए।उसने सवाल किया, ''अगर विपक्ष को राज्य की चिंता है और उसके पास महामारी

से लड़ने के लिए कोई सुझाव है तो उन्हें मुख्यमंत्री के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए। क्या विपक्षी दल को ऐसा करने में शर्म है या वह अपना आत्म विश्वास खो चुका है।''संपादकीय में इस बात पर जोर दिया गया है कि राज्य में हर दिन भले ही कोविड19 के मामले बढ़ रहे हैं लेकिन ज्यादातर मरीज संक्रमण से स्वस्थ भी हो रहे हैं।

ऐतिहासिक वटवृक्ष जिसमें लवकुश नें बाँधा घोड़ा, कल्पवृक्ष भी है यहाँ

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । जनपद बहराइच से बिल्कुल मिला हुआ पड़ोसी जनपद श्रावस्ती , जो तमाम ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्व विख्यात है । तीन जनपदों बलरामपुर, श्रावस्ती व बहराइच राजमार्ग के लगभग मध्य इकौना से बहराइच मार्ग पर सात किमी सीताद्वार में स्थित प्राचीन त्रेतायुग का वट वृक्ष और कल्प वृक्ष ,आज भी लवकुश द्वारा वट वृक्ष में बाँधे गए अश्वमेघ यज्ञ के घोड़े की ऐतिहासिक कथा को ताजा कर रहे है । यहाँ के पुजारी पंडित संतोष दास तिवारी ने उपर्युक्त तथ्यों के साथ बताया कि यही है वह वटवृक्ष जिसमे लवकुश ने घोड़ा बाँधा था, यही जनकनंदिनी माता सीता ने अपने वनवास के दिन व्यतीत किये, यही महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि और यही मन की मुराद पूरी करने वाला कल्पवृक्ष है, इस वृक्ष को अन्य स्थान पर लगाने हेतु बहुत जतन लोगों ने किया लेकिन असफल रहे, यह दोनों वृक्ष अपने स्थान पर ही शोभायमान रहे, चूंकि ये युगों पुराना है अतएव सूखने या अन्यत्र की स्थिति में पुनः वही रूप धारण कर लेता है ।पुजारी ने बताया कि यह कजरी का वन के नाम

से मशहूर रहा है और कार्तिक पूर्णिमा को पंचद्विसीय मेले के लिये विख्यात है, उन्होंने बताया कि माता सीता को वन में छोड़ते समय जब प्यास लगी तो लक्ष्मण ने भू वेधी वाण चलाया जिससे फूटी धारा रोगनिवारिणी झील बन कर आज भी लोगों के कष्ट व रोगों का नाश करती है, उन्होंने बताया यहाँ वाल्मीकि आश्रम , गुलाब वाटिका, लवकुश पार्क, व माता सीता, लवकुश, पवनपुत्र हनुमान की प्राचीन व नवीन मूर्तियां दिव्य मंदिर में सुशोभित है । वहाँ के लोगों ने बताया कि पुजारी संतोष तिवारी पूरी श्रद्धा से दिन रात मंदिर की देखरेख व सेवादारी में तत्पर रहते है व श्रद्धालुओं के स्वागत सत्कार हेतु समर्पित रहते है ।

आज के दिन वट सावित्री पर्व पर इस वट वृक्ष का विशेष महत्व माना गया है । बता दें कि अनेकों त्योहारों में एक वट सावित्री व्रत अखण्ड सौभाग्य तथा पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के लिए मनाया जाता है। भारतीय समाज वट वृक्ष का आदर करता है। इसके पीछे भले ही धार्मिक मान्यताएं हों, लेकिन उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण का ही जान पड़ता है। सदियों से बरगद की पूजा होती आ रही है। वट वृक्ष के नीचे ही सावित्री को अपना सुहाग वापस मिला था। इस पूजा का महत्व जीवन चक्र से जुड़ चुका है।

छत्तीसगढ़ में कोराना वायरस संक्रमण के 16 नये मामले

रायपुर । छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस संक्रमण के 16 नये मामलों की पुष्टि हुई है जिसके बाद राज्य में इस वायरस से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 148 हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां बताया कि राज्य के कोरबा, कांकेर और बेमेतरा जिले में 16 नए लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने बताया कि कोरबा जिले के 12 लोगों में, कांकेर जिले के तीन लोगों में तथा बेमेतरा जिले के एक व्यक्ति में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। इनमें से ज्यादातर लोग प्रवासी मजदूर हैं। उन्होंने बताया कि कोरबा जिले में जिन 12 लोगों में आज कोराना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है, वे देश के कई अलगअलग हिस्सों से यहां पहुंचे थे। उन्हें दर्री थाना क्षेत्र के अंतर्गत बने पृथकवास केंद्र में रखा गया था। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में शुक्रवार को 16 नए मामले सामने आने के बाद इस वायरस से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 148 हो गई है। इनमें से 59 लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

मुम्बई से गाँव आए परिवार में 4 हुए कोरोना पॉजिटिव, तीन और मिले नए संक्रमित

(प्रभुनाथ शुक्ल/वूमेन एक्सप्रेस)

भदोही। भदोही जिले में परदेशियों के गाँव पहुँचने के साथ यह खतरा और बढ़ गया है। शुक्रवार को तीन और कोरोना पॉजिटिव मरीजों के पाए जाने के बाद जिले में अब 14 धनात्मक संक्रमित हो गए हैं। जीयनपुर गाँव में दो जबकि मुम्बई से आए रघुरामपुर (रमईपुर) में एक और संक्रमित मिलने से उस परिवार में यह संख्या चार पर जा पहुँची है।

भदोही जिले के ऊंज थाना क्षेत्र के रघुरामपुर (सरावां, रमईपुर) गाँव में कुछ दिन पूर्व एक परिवार मुम्बई से अपनी निजी गाड़ी से घर आया था। परिवार में तेज बुखार और खांसी से संक्रमित पाए जाने पर स्वस्थ्य विभाग ने परिवार के सभी 16 सदस्यों को एकांतवास में रखा है।

परिवार में किसी वृद्ध की कोरोना संक्रमण से मुम्बई में मौत हुई थी। जिसके बाद लोग अंतिम संस्कार की धार्मिक परंपरा के निर्वहन के लिए गाँव आए थे। शुक्रवार को एक एक कर परिवार के सभी लोगों की जांच रिपोर्ट आ गई। परिवार में एक और व्यक्ति के

मुम्बई में परिवार के एक वृद्ध की कुछ दिन पूर्व कोरोना संक्रमण से हुई थी मौत

पॉजिटिव पाए जाने से मरीजों की संख्या चार हो गई है। 12 वर्षीय बच्चा के साथ उसकी मां, चाची और दादा भी कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। इस गाँव को सील कर दिया गया था।

भदोही जिले के ज्ञानपुर तहसील के जीयनपुर गांव में दो लोगों के कोरोना पॉजिटिव मिले हैं, जिसमें एक महिला और एक पुरुष हैं। दोनों वृद्ध बताए गए हैं। ज्ञानपुर तहसीलदार देवेंद्र कुमार यादव गाँव में पहुँच कर बस्ती को सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दिया है। मुख्यचिकित्साधिकारी डा.लक्ष्मी सिंह ने बताया है कि तीन लोग पॉजिटिव मिले हैं। अभी उनकी बाकि डिटेल नहीं मिल पाई है। मरीजों की संख्या कुल 14 हो गई है जिसमें तीन लोग ठीक हो चुके हैं।

मुणोत ने ऑटो चालकों को दिए राशन सामग्री के किट

बेंगलुरु। यहां के विजयनगर में मारुती मेडिकल के प्रबंध निदेशक उधमी, गौ भक्त महेंद्र मुणोत, सुरक्षा मुणोत व आनंद मुणोत द्वारा विजयनगर क्षेत्र के ऑटो रिक्शा चालकों को राशन सामग्री के किट भेंट किए गए। समाजसेवी सुरेश टपरावत ने बताया कि सभी ने मुणोत का आभार जताया। मुणोत ने इस दौरान सभी को वर्तमान समय में कोरोना महामारी के मद्देनजर सामाजिक दूरियां बनाये रखते हुए सरकारी दिशा निर्देशों की पालना करने की व सद्व्यवहारी बनने की भी सीख दी। साथ इन विकट परिस्थितियों में किसी भी जरूरतमंद के लिए हर संभव सहयोग करने का विश्वास दिलाया।

अन्नरथ सचिव ने कोरोना रणबांकुरों का हौसला अफजाई कर किया सम्मान

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच हरिशंकर मित्तल चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से उन 5 कोरोना योद्धाओ को सम्मानित किया गया जो पिछ्ले 28 दिनो से अपने घर नही गये बल्कि चिकित्सा सेवा मे लगातार एक योद्धा के रूप मे काम कर रहे हैं ।

ट्रस्ट के सचिव संदीप मित्तल ने बताया कि जिला चिकित्सालय के पैथालॉजी विभाग मे कार्यरत वैभव मिश्रा, एस एन सिंह, भुवनेश अवस्थी, पवन रन्जन भास्कर, आशुतोष कुमार पिछ्ले 28 दिन से लगातार कोरोना संदिग्ध लोंगो के ब्लड सैम्पिल लेने का कार्य कर रहे ।उनमे से कई रिपोर्ट पॉजिटिव भी आयी हैं। आज 28दिन की लम्बी ड्यूटी के बाद ये कोरोना योद्धा अपने घर लौटे। इनके त्याग और साहस के लिये हरिशंकर मित्तल चैरिटबल ट्रस्ट की संरक्षिका शशी मित्तल एवं सचिव संदीप मित्तल ने इनका माल्यार्पण कर अंग वस्त्र एवं उपहार देकर हौसला बढाने का कार्य किया। ट्रस्ट के सचिव

संदीप मित्तल ने कहा कि इस आपदा काल मे संदिग्ध मरीजो का ब्लड सैम्पिल लेना, 28दिन अपने घर से अलग रहकर देश सेवा मे समर्पित रहना वाकई बहुत ही साहसिक बात हैं ये सब किसी योद्धा से कम नही हैं इनकी जितनी भी प्रशंसा की जाये कम हैं।इस अवसर पर लेहंगा बैंक की संस्थापिका अन्शिका मित्तल ने सभी कोरोना योद्धाओ को मास्क देकर उनके सुरक्षित जीवन की कामना की ।मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित मित्तल ने भी सभी योद्धाओ का हौसला बढाया।

संजय जोशी हेल्प इंडिया में मीडिया विंग के चेयरमैन नियुक्त

जयपुर/बेंगलुरु। भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में प्रयत्नशील सर्व समाज के सामाजिक एवं व्यवसाय क्षेत्र में सोशल एंटरप्रेन्योर हेल्प इंडिया ऑनलाइन संस्थान द्वारा पत्रकार संजय जोशी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल कर मीडिया विंग का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। हेल्प इंडिया के राष्ट्रीय सचिव डॉ जगदीश पारीक द्वारा यह नियुक्ति की गई है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट एवं नीति आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान हेल्प इंडिया सामाजिक परिवेश में लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं व्यापार सहित विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करने में अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है। राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ पवन कुमार ने बताया कि गत वर्ष अनेक विशिष्ट क्रियाकलापों कार्यक्रमों की बदौलत वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड अवॉर्ड से नवाजे गए हेल्प इंडिया संस्थान द्वारा हाल ही में

वैश्विक महामारी कोरोना एवं लोक डाउन के मद्देनजर बड़ी संख्या में जरुरतमन्दों को फेसमास्क, सैनिटाइजर, भोजन पैकेट व राशन सामग्री का भी वितरण व्यापक स्तर पर देश के विभिन्न शहरों में किया जा रहा है।

भदोहीः भगवान से मनाइए कि आपकी सांसों को न पड़े वेंटीलेटर की ज़रूरत

(प्रभुनाथ शुक्ल/वूमेन एक्सप्रेस)

भदोही । दुनिया में भदोही की अपनी अलग पहचान है। यहाँ खूब सूरत कालीन का निर्माण होता है। निर्यातकों और संस्थाओं का दावा है कि तकरीब दस हजार करोड़ का सालाना विदेशों में कालीन निर्यात होता है। लेकिन स्वास्थय सुविधाएँ ऊपर वाले के भरोसे हैं। कोरोना संक्रमण काल में सरकारी अस्पताल में वेंटीलेटर यानी (कृतिम स्वांस

प्रणाली) की सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। सोचिए फ़िर हम इस महामारी से कैसे जंग लड़ पाएंगे। जबकि उस हालत में जब कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। वाराणसी को विभाजित कर 26 साल पूर्व 30 जून को भदोही जिले का निर्माण मुलायम सिंह यादव ने किया था। इस बीच एक पूरी पीढ़ी जवान हो चली है, लेकिन हमारी विकलांग व्यवस्था सरकारी अस्पताल को कृतिम स्वांस प्रणाली की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करा पाई है। यह यह है हमारे विकास का सुनहला पन्ना। जिला निर्माण के बाद तकरीब पांच सरकारें बदली लेकिन अभी तक यह सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई। भदोही को अभी तक जिला अस्पताल की सुविधा तक नहीं मिल पाई है। ज्ञानपुर स्थित महाराजा चेतसिंह जिला अस्पताल के रुप में काम कर रहा है। दूसरा बड़ा अस्पताल भदोही स्थित महाराजा बलवंत सिंह चिकित्सालय है। दोनों अस्पताल सिर्फ खांसी जुकाम तक सीमित हैं। गम्भीर बीमारी या सड़क हादसों का इलाज यहाँ सम्भव नहीं है। दोनों अस्पताल सिर्फ रेफरल यूनिट हैं। सड़क हादसों पीडितों के पहुँचने के पहले यहाँ रेफर पर्ची तैयार रहती है। घायल व्यक्ति के पहुँचते ही मरहमपट्टी के बाद उसे वारणसी के लिए भेज दिया जाता है। काफी लोग बीएचयू ट्रामा सेंटर पहुँचने के पूर्व दमतोड़ देते हैं। अब यहाँ एकांतवास भी बनाया गया है।

भदोही जिले की अनुमानित आबादी करीब 20 लाख तक पहुँच गई है।

लेकिन ज्ञानपुर और भदोही स्थित दोनों बड़े अस्पतालों में एक भी वेंटीलेटर की सुविधा नहीं है। फ़िर कोरोना जैसे संक्रमण बीमारी की लड़ाई कैसे लड़ी जाएगी। 15 साल पूर्व जिला अस्पताल की आधारशिला बसपा सरकार में तत्कालीन मंत्री रंगनाथ मिश्र ने रखा था , लेकिन आज तक अस्पताल नहीं बन पाया। प्रवासी मजदूरों और परदेशियों के आगमन के बाद कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा है।

अब तक 12 से अधिक मरीज हो गए हैं। जिले में पॉजिटिव मरीजों को रखने की कोई सुविधा नहीं है। उन्हें मण्डलीय अस्पताल मिर्जापुर भेजा जा रहा है।

कोरोनाकाल में मोटापा बना आफत की पुड़िया

जरुरी है मन की तनावरोधी क्षमता को बढ़ाना, 15 से 20 मिनट का शारीरिक कसरत रामबाण

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वराणसी। कोरोनाकाल में बढ़ते संक्रमण से हर कोई खौफजदा है। किसी को सर्दी, खांसी व सांस लेने में दिक्कत महसूस हो रही है, तो कोरोना का खौफ दुगुना हो जा रहा है। खासकर यह दिक्कत उन लोगों में हो रही है, जिनकी उम्र 50 वर्ष से अधिक है और वजन 90 किलो से ज्यादा है। चिकित्सकों का कहना है कि उन्हें कोरोना तो नहीं है, लेकिन ज्यादा है। मोटापे के कारण ब्लडप्रेशर की समस्या बढ़ने के साथ सांस लेने में भी परेशानी आ रही है और उन्हें ऑक्सीजन की जरूरत ज्यादा पड़ती है।

चिकित्सकों का कहना है कि वजनी व्यक्तियों को सजग रहना होगा। वजन ज्यादा होने से वे सांस ठीक से नहीं ले पाते हैं। इसके अलावा यदि उन्हें दूसरी बीमारी है तो उन पर ज्यादा ध्यान देना पड़ेगा। जबकि फिट रहने वालों को कोरोना संक्रमण ही नहीं कई बीमारियां उनका कुछ नहीं बिगाड़ पायेगी। चिकित्सकों का कहना है कि कोरोना वायरस जब शरीर में फैलता है तो वह हानिकारक केमिकल का स्त्राव करता है, जो रक्त धमनियों में जाता है और उन्हें चैड़ा कर देता है। इससे मरीज के शरीर में

सूजन बढ़ने लगती है। रक्त धमनियों के चैड़े होने से रक्त प्रवाह प्रभावित होता है और दिल पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ता है। बावजूद इसके इस बीमारी को लेकर तनाव न पालें, क्योंकि ठीक होने वाले मरीजों की संख्या ज्यादा है। तेज बुखार के साथ सूखी खांसी, सांस लेने में तकलीफ और सर्दी हो जो अन्य दवाइयों से ठीक नहीं हो पा रही है तो उसे कोरोना के लक्षण मानें। सामान्य सर्दी की शिकायत भी फिलहाल बहुत लोगों को है, उसे कोरोना के लक्षण न मानें।

कोरोना को लेकर बढ़ रहे तनाव को लेकर चिकित्सकों का कहना है कि जब हम कोई डरावनी फिल्म देखते हैं और किसी अंधेरे कमरे में जाते हैं तो हमें लगता है कि कमरे में भूत है। यह स्वाभाविक भी है। अभी हर तरफ कोरोना को लेकर चर्चा हो रही है लोग बेवजह तनाव ले रहे हैं। सबसे अच्छा तरीका है कि अपना ध्यान दूसरे कामों में लगाएं और घर से बाहर न निकलें। तनाव तो सदैव ही मानव जीवन की समस्या रहा है। मगर, लॉकडाउन ने एक नये किस्म का तनाव पैदा कर दिया है। वायरस कितना अलग है, यह तो पता नहीं, मगर यह तनाव जरूर अलग है। एक ऐसे शत्रु के भय से, जो अदृश्य है, और कहीं से भी हमला कर सकता है। घर के अंदर भी और घर के बाहर भी। यह तनाव हर तरफ हर किसी पर प्रभाव डाल रहा है क्योंकि इसने जीवन शैली का शाश्वत नियम ही बदल दिया है। ऐसे तनाव पर ज्यादा चर्चा नहीं मिलेगी। इसलिए जो तनाव से बचने के स्थापित तरीके हैं, उनमें थोड़ा संशोधन की आवश्यकता है। जिस तरह से कोरोना वायरस से लड़ने का सर्वश्रेष्ठ तरीका अपनी रोगरोधी क्षमता को बढ़ाना है, उसी तरह इस लॉकडाउन से पैदा हुए तनाव से बचने के लिए मन की तनावरोधी क्षमता को बढ़ाना है।

हालांकि अलगअलग लोगों में तनावरोधी क्षमता अलगअलग होती है। इसलिए कुछ लोग तनाव से जल्द ही विचलित हो जाते हैं, पर कुछ लोगों के साथ ऐसा नहीं होता। जो सुखद पक्ष है, वह यह है कि अपनी मानसिक जीवटता को थोड़े अभ्यास से काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।

RNI.DELHIN / 2013/ 48606

मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

सीबीआई ने भाजपा नेता योगीश गौड़ा हत्या मामले में दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कर्नाटक के धारवाड़ जिला पंचायत के सदस्य एवं भाजपा नेता योगीश गौड़ा की हत्या के मामले में आठ आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। सीबीआई ने चार्जशीट में इस बात का खुलासा किया है कि गौड़ा की हत्या राजनीतिक कारणों से की गयी थी। कर्नाटक के धारवाड़ के भाजपा नेता योगीश गौड़ा की 15 जून, 2016 को धारवाड़ के ही सप्तपुरा में एक जिम के सामने हत्या कर दी गयी थी। उस समय धारवाड़ की उप नगरीय पुलिस स्टेशन ने यह मामला दर्ज कर केस की विवेचना क्षेत्राधिकारी को सौंप दी थी। क्षेत्राधिकारी ने मामले की जांच पूरी कर 09 सितम्बर, 2016 को अदालत में चार्जशीट पेश की। पुलिस ने गौड़ा की हत्या में छह लोगों को आरोपित बताया था। लेकिन पुलिस की इस जांच से भाजपा और स्थानीय लोग संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने सीबीआई से जांच कराने की मांग की। अंततः घटना के करीब तीन साल बाद कर्नाटक की भाजपा सरकार के अनुरोध पर 24 सितम्बर, 2019 को सीबीआई ने इस मामले की जांच शुरू की। अब इसी मामले में सीबीआई ने धारवाड़ की जेएमएफसी कोर्ट में आठ आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है।

जियो प्लेटफॉर्म्स में केकेआर करेगी 11,367 करोड़ रूपये का निवेश

मुंबई । लॉकडाउन के बावजूद देश के धनकुबेर मुकेश अंबानी के जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेशकों का तांता लगा हुआ है और मात्र एक माह में उसे पांचवा निवेशक अमेरिकी निजी इक्विटी निवेशक केकेआर मिला जिसने शुक्रवार को 11367 करोड़ रुपये निवेश से झोली भरी। केकेआर का जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश 4.91 लाख करोड रुपये के इक्विटी मूल्यांकन और 5.61 लाख करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी मूल्यांकन पर हुआ है। अमेरिकी कंपनी को निवेश की एवज में जियो प्लेटफॉर्म्स में 2.32 प्रतिशत इक्विटी मिलेगी। केकेआर का एशिया में किसी कंपनी में अब तक का सबसे बड़ी राशि का निवेश है। जियो प्लेटफॉर्म्स में 22 अप्रैल को निवेश का सिलसिला सोशल मीडिया महारथी फेसबुक के निवेश से शुरू हुआ और इसके बाद सिल्वर लेक, विस्टा इक्विटी पाटर्नर्स, जनरल अटालांटिका और अब केकेआर ने कुल 78,562 करोड़ रुपये से झोली भर दी। जियो प्लेटफॉर्म्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। ये अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी कंपनी है जो देश को एक डिजिटल समाज बनाने के काम में मदद कर रही है। इसके लिए जियो के प्रमुख डिजिटल ऐप, डिजिटल ईकोसिस्टम और देश के नंबर एक हाइस्पीड कनेक्टिविटी प्लेटफॉर्म को एकसाथ लाने का काम कर रही है। रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड, जिसके 38 करोड़ 80 लाख ग्राहक हैं।

नजफगढ़ में विक्रेता को लूटने के मामले में 3 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणपूर्वी दिल्ली के नजफगढ़ में सब्जी विक्रेता को कथित रूप से लूटने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि आरोपियों की पहचान नजफगढ़ के निवासियों सोनू (23), अमन कुमार (24), अक्षय (22) के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि घटना बुधवार रात हुई जब दावर शाह सब्जी बेचकर रिक्शा से अपने घर जा रहे थे। जब वह मकसूदाबाद कॉलोनी में गौशाला के निकट पहुंचे तो तीन लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। उनमें से एक ने उनकी गर्दन दबा दी। दूसरे ने सिर पर वार किया जबकि तीसरे व्यक्ति ने उनका मोबाइल फोन, 1,400 रुपए और पैन कार्ड छीन लिया और भागने लगे। अधिकारी ने कहा कि शाह ने जब शोर मचाते हुए लुटेरों का पीछा किया तो वहीं गश्त कर रहे पुलिसकर्मी भी उनका पीछा करने लगे और दो लोगों को पकड़ लिया जबकि तीसरा व्यक्ति भाग गया। उन्होंने कहा, ''आरोपियों ने पूछताछ के दौरान अपने तीसरे साथी का नाम अक्षय बताया। पुलिस ने आरोपी के सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया।

यूपी में 18 लाख 24 हजार लोगों को कराया गया क्वारंटीन

20 लाख से अधिक लोगों की हुई यूपी में वापसी: योगी

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना संक्रमण के रोकथाम में आशा वर्कर व निगरानी समितियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अब तक लाखों की संख्या में प्रवासी कामगारों व श्रमिकों की यूपी में वापसी हुई है। जांच के बाद कुछ लोगों की रिपोर्ट पॉजिटीव मिली है। जिनका निःशुल्क उपचार कराया जा रहा है।

उपचार के बाद बहुत से लोग स्वस्थ्य होकर घर चले गए हैं। हालांकि कई प्रवासी कामगारों व श्रमिकों को होम क्वारंटीन में भी रखा गया है। जिसकी निगरानी मोहल्ला व ग्राम समिति कर रही हैं। साथ ही इनमें कोरोना के लक्षणों की जांच भी आशा वर्कर कर रहे हैं। यह जानकारी शुक्रवार को लोकभवन में कोरोना वायरस के संबंध में किए गए प्रेस कांफ्रेंस में अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने पत्रकारों को दी।

अपर मुख्य सचिव गृह ने कहा कि शुक्रवार को टीम 11 के साथ समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लॉकडाउन की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि लोगों में जागरूकता बढ़ रही है, और यही कारण है कि एक्टिव केस कम हो रहे हैं जबकि उपचारित लोगों की संख्या हर दिन बढ़ रही है। वर्तमान में 2243 केस ही एक्टिव हैं जबकि 3238 लोग ठीक होकर घर चले गए हैं। इस स्थिति में और सुधार का प्रयास किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव, गृह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश में 20 लाख से अधिक लोगों की वापसी हुई है। इनमें से बहुत से लोगों को क्वारंटीन में रखा गया है और यह क्रम अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि 46 हजार 103 ग्राम पंचायतों में 16 लाख 8 हजार 184 व्यक्ति

राजस्व विभाग के क्वारंटीन सेंटरों में जांच के बाद ग्रामीण क्षेत्र में गए हैं। जबकि शहरी क्षेत्र के 6 हजार 202 मोहल्ला वार्ड में 2 लाख 24 हजार 639 लोग गए हैं। इस तरह 18 लाख से अधिक लोग क्वारंटीन सेंटरों में जांच के बाद अपने अपने घरों को भेजे गए हैं।

अपर मुख्य सचिव, गृह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि हर क्वारंटीन सेंटर पर इंफ्रारेड थर्मामीटर उपलब्ध करा दिया जाए। जिससे प्राथमिक स्तर पर जांच को मजबूती दी जा सके। साथ ही समय पर उपचार मुहैया कराने और संक्रमण के रोकथाम में भी आसानी होगी। सीएम योगी ने प्रदेश के सभी दुकानदारों से अपील की है कि हर दुकानदार मास्क व सेनीटाइज का प्रयोग अवश्य करे। अगर कोई भी ग्राहक बिना मास्क के सामान लेने आता है तो उसे सामान ना दें। उन्होंने बताया कि प्रदेश में हर किसी को मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। अबतक 5 हजार लोगों को मास्क नहीं पहनने पर जुर्माना किया गया है।

अपर मुख्य सचिव, गृह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के लिए लगातार श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अबतक गुजरात से 5 लाख 36 हजार लोग आए हैं। महाराष्ट्र से 192 ट्रेनों के माध्यम से 2 लाख 46 हजार, पंजाब से 1 लाख 80 हजार और दिल्ली से 47 ट्रेनों के माध्यम से 69 हजार लोगों को यूपी में लाया गया है। उन्होंने बताया कि 100 ट्रेनों को प्रतिदिन यूपी के लिए चलाया जा रहा है। अबतक प्रदेश में 930 ट्रेन आ गई हैं इन ट्रेनों से 12 लाख 33 हजार लोग आए हैं। उन्होंने बताया कि 1200 ट्रेनों को प्रदेश में आने अनुमति दी गई है।

यूपी में अबतक 2243 एक्टिव केस, 3238 मरीज ठीक हुए

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में 11 मई से ही प्रदेश में एक्टिव केस कम है और ठीक होने वाले मरीजों की संख्या अधिक होने का क्रम जारी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 2243 एक्टिव केस हैं। उपचार के बाद 3238 पेशेंट पूरी तरह स्वस्थ हो गए हैं और उन्हें घर भेज दिया गया है। हालांकि अबतक 138 लोगों की मौत भी हुई है। उन्होंने बताया कि गुरूवार को 7249 सैंपलों की टेस्टिंग की गई। उन्होंने बताया कि गुरूवार को 928 पूल टेस्ट किए गए। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण के सर्विलांस में 87 हजार 141 टीम लगी रहीं। इन टीमों ने 11 हजार 81 इलाकों, जिसमें 2656 हॉटस्पाट और 8425 नॉन हॉटस्पाट शामिल हैं में सर्वे किया है। टीम ने 69 लाख 78 हजार 9 घरों का सर्वेक्षण किया। साथ ही 3 करोड़ 49 लाख 20 हजार 368 लोगों की जांच भी किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में काफी संख्या में प्रवासी कामगार व श्रमिकों की वापसी हुई है। सभी को होम क्वारंटीन में 21 दिनों तक रहने के लिए कहा गया है। होम क्वारंटीन में रहने वालों की जांच के लिए आशा वर्करों को भी तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि आशा वर्करों द्वारा 6 लाख 58 हजार 982 लोगों की जांच की है। जांच में 764 लोगों को बुखार, जुखाम, खांसी आदि के लक्षण मिले। ऐसे लोगों का उपचार किया जा रहा है।

मजदूरों, किसानों और MSME की मदद नहीं की तो 'आर्थिक तबाही': राहुल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि अगर सरकार की ओर से गरीबों, मजदूरों, किसानों और सूक्ष्म, लघु, एवं मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) की वित्तीय मदद नहीं की गई तो देश में 'आर्थिक तबाही' हो जाएगी। विपक्षी दलों की बैठक में उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र को राज्य सरकरों की मदद करनी चाहिए।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला के मुताबिक राहुल गांधी ने बैठक में सवाल किया, लॉकडाउन के दो लक्ष्य हैं। बीमारी को रोकना और आने वाली बीमारी से लड़ने की तैयारी करना। पर आज संक्रमण बढ़ रहा है और लॉकडाउन हम खोल रहे हैं। क्या इसका मतलब है कि एकाएक बग़ैर सोचे किए गए लॉकडाउन से सही नतीजा नहीं आया? राहुल ने कहा, लॉकडाउन से करोड़ों लोगों को ज़बरदस्त नुक़सान हुआ है। अगर आज उनकी मदद नहीं की गई, उनके खातों में 7,500 रुपये नहीं डाला गया, अगर राशन का इंतज़ाम नहीं किया, अगर प्रवासी मज़दूरों, किसानों और एमएसएमई की मदद

नहीं की तो आर्थिक तबाही हो जाएगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि लाखों करोड़ों का सरकार का पैकेज ये बात स्वीकार ही नहीं करता। लोगों को क़र्ज़ की जरूरत नहीं, सीधे मदद की आवश्यकता है। हमारी जिम्मेदारी है की हम सब आवाज़ उठाएं। ये देश का सवाल है, दलों का नहीं। अगर ऐसा नहीं हुआ तो करोड़ों ग़रीबी के जाल में उलझ जाएंगे। उन्होंने कहा, ''कोरोना से लड़ाई ज़िलों व प्रांतों में लड़ी जा रही है। केंद्र नेतृत्व कर सकता है। पर जैसे केंद्र को प्रांतों की मदद करनी चाहिए थी, वह नहीं हुई। ये राजनीति नहीं, देशहित में सच मानने और प्रदेशों को ताक़त व आर्थिक मदद देने की बात है।

बता दें राहुल गांधी और उनकी पार्टी कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर प्रवासी मजदूरों की अनदेखी करने का आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रवासी मजदूरों को परेशान कर रही है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी भी उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोल रही है। उन्होंने हाल में योगी सरकार पर मजदूरों के मामले में लापरवाही करने के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए 1000 बसे भेजने का प्रस्ताव दिया था।

पुणे का अस्पताल कोविड-19 उपचार के लिये नयी दवा का उपयोग करेगा

पुणे । पुणे के सरकारी ससून सर्वोपचार अस्पताल में भर्ती कोविड 19 के कम से कम 25 मरीजों को टोसिलीजुमैब दवा दी जाएगी, जो संक्रमण के उपचार में प्रभावी साबित हुई है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।यह दवा उन मरीजों को दी जाएगी, जिनकी हालत नाजुक लेकिन स्थिर है। नगर निगम आयुक्त शेखर गायकवाड़ ने कहा कि इस नयी दवा(इंजेक्शन) की कीमत करीब 20,000 रुपये है। यह पहले चरण में 25 मरीजों को दी जाएगी और इसके नतीजों के आधार पर पुणे नगर निगम इसके आगे के उपयोग के बारे में फैसला करेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. डी बी कदम की अध्यक्षता में विशेषज्ञ चिकित्सकों का एक विशेष कार्यबल बनाया गया था, जिसने मरीजों की स्थिति बिगड़ने पर इस दवा के उपयोग की सिफारिश की। गायकवाड़ ने कहा, ''इस दवा के उपयोग के लिये नैतिक टीम की मंजूरी मिलने के बाद, हमने पहले चरण में 25 रोगियों के लिये इसकी खरीदारी शुरू कर दी।''

गृह मंत्रालय ने वीजा और यात्रा पाबंदियों में दी ढील

विदेश में फंसे ओसीआई कार्डधारकों को भारत वापस आने की अनुमति

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोविड19 के मद्देनजर लगाई गई वीजा और यात्रा पाबंदियों में ढील देते हुए विदेश में फंसे कुछ श्रेणियों के ओसीआई (भारत के प्रवासी नागरिक) कार्डधारकों को भारत वापस आने की अनुमति दे दी है।

विदेश में फंसे ऐसे छोटे बच्चे, जिनका जन्म विदेश में भारतीय नागरिकों के यहां हुआ है और जो ओसीआई कार्ड धारक हैं। उन्हें भारत आने की अनुमति दी गई है। इसी प्रकार

ऐसे ओसीआई कार्डधारक जो परिवार में मृत्यु जैसी आपात स्थितियों के कारण भारत आना चाहते हैं, वह भी आ सकते हैं। इसके अलावा ऐसे जोड़े जिनमें से एक यानी पति या पत्नी ओसीआई कार्डधारक है एवं दूसरा भारतीय नागरिक है और उनका भारत में एक स्थायी निवास है, उन्हें भी छूट दी गई है।

गृहमंत्रालय के मुताबिक विश्वविद्यालयों के ऐसे विद्यार्थी जो

ओसीआई कार्डधारक हैं (कानूनी रूप से नाबालिग नहीं हैं), लेकिन जिनके मातापिता भारत में रहने वाले भारतीय नागरिक हैं, उन्हें भी भारत वापस आने की अनुमति दे दी है।

बता दें कि गृह मंत्रालय द्वारा इससे पहले 07 मई को लगाई गई यात्रा संबंधी पाबंदियां विदेश में फंसे उपर्युक्त श्रेणियों के ओसीआई कार्डधारकों को स्वदेश वापस लाने के लिए तैनात या निर्दिष्ट किए गए किसी भी विमान, जहाज, ट्रेन या किसी अन्य वाहन पर लागू नहीं होंगी। गृह मंत्रालय द्वारा 07 मई को निर्दिष्ट किए गए अन्य सभी नियमशर्तें आगे भी लागू रहेंगे।

हर्षवर्धन डब्ल्यूएचओ कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष पद का प्रभार संभालेंगे

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन शुक्रवार को 34 सदस्यीय डब्ल्यूएचओ कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष पद का प्रभार संभालेंगे।अधिकारियों ने बताया कि हर्षवर्धन जापान के डॉ. हिरोकी नाकातानी का स्थान लेंगे।भारत के प्रत्याशी को कार्यकारी बोर्ड में नियुक्त करने के प्रस्ताव पर मंगलवार को 194 देशों के सदस्य वाले विश्व स्वास्थ्य सभा ने हस्ताक्षर किए थे। पिछले साल डब्ल्यूएचओ के दक्षिण पूर्व एशिया समूह ने मई से शुरू होने वाले तीन साल के कार्यकाल के लिए कार्यकारी बोर्ड में भारत के प्रत्याशी को चुनने का सर्वसम्मति से फैसला लिया था।

अध्यक्ष पद क्षेत्रीय समूहों के पास बारीबारी से एक साल के लिए रहता है और पिछले साल यह फैसला लिया गया कि भारत का प्रत्याशी शुक्रवार से शुरू हो रहे पहले साल के लिए कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष रहेगा। एक अधिकारी ने बताया कि मंत्री को केवल कार्यकारी बोर्ड की बैठकों की अध्यक्षता करने की आवश्यकता होगी। कार्यकारी बोर्ड में 34 व्यक्ति होते हैं जो स्वास्थ्य के क्षेत्र में योग्यता प्राप्त होते हैं। हर व्यक्ति को सदस्य देश मनोनीत करते हैं। सदस्य देशों को तीन साल के कार्यकाल के लिए निर्वाचित किया जाता है।सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए विश्व स्वास्थ्य सभा के 73वें सत्र को संबोधित करते हुए हर्षवर्धन ने कहा था कि भारत ने कोविड19 वैश्विक महामारी से निपटने के लिए समय रहते सभी आवश्यक कदम उठाएं।उन्होंने कहा था कि भारत ने इस बीमारी से निपटने के लिए अच्छा काम किया और आने वाले महीनों में और बेहतर करने का भरोसा है।भारत ऐसे वक्त में इसकी अध्यक्षता संभाल रहा है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प समेत दुनियाभर में यह मांग उठ रही है कि इसकी जांच की जाए कि कोरोना वायरस की चीन के वुहान शहर में उत्पत्ति कैसे हुई।

कोविड-19: कर्फ्यू में शादी की सालगिरह की पार्टी मनाने के आरोप में अधिकारी निलंबित

(विशेष संवाददाता)

इंदौर । मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में लागू कर्फ्यू के दौरान बिना अनुमति के अपनी शादी की सालगिरह की कथित पार्टी मनाना एक सरकारी अधिकारी को महंगा पड़ा है। पार्टी का वीडियो सामने आने के बाद इस अधिकारी को सरकारी सेवा के नियमकायदों और सामाजिक दूरी बनाने की हिदायतों के उल्लंघन के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। इंदौर नगर निगम (आईएमसी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आईएमसी आयुक्त प्रतिभा पाल ने इस मामले में अनुशासनात्मक कदम उठाते हुए निगम के जोनल अधिकारी चेतन पाटिल को निलंबित कर दिया है। अधिकारी ने बताया कि आईएमसी प्रशासन तक एक वीडियो पहुंचने के बाद इस आरोप का संज्ञान लिया गया है कि पाटिल ने कर्फ्यू के दौरान विजय नगर क्षेत्र के एक सभागृह में अपनी शादी की सालगिरह की पार्टी आयोजित की जबकि इस आयोजन के लिये उन्हें कोई भी अनुमति नहीं दी

गयी थी। उन्होंने बताया कि इस पार्टी में सामाजिक दूरी की हिदायतों का भी कथित तौर पर उल्लंघन किया गया।उन्होंने बताया कि मामले में आईएमसी आयुक्त द्वारा जोनल अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। लेकिन इसका संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गयी है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय 'ट्रेंचिंग ग्राउंड' रहेगा। सोशल मीडिया पर सामने आये वीडियो में दावा किया गया है कि पाटिल की शादी की सालगिरह के मौके पर पार्टी आयोजित की गयी थी। इसमें शामिल लोग करीब एक (संगीत की धुन के साथ गीत गाना) सिस्टम पर गाते, नाचते और ताली बजाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि पार्टी में शामिल कुछ मेहमानों ने मास्क पहन रखे हैं, जबकि कुछ लोग कोविड19 से बचाव के इस जरूरी उपाय को अपनाये बगैर ही महफिल का मजा ले रहे हैं। कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण प्रशासन ने इंदौर की शहरी सीमा में 25 मार्च से कर्फ्यू लगा रखा है।

केन्द्र के पास मजदूरों के लिए ठोस नीति नहीं: पायलट

जयपुर, (वेबवार्ता)। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केन्द्र सरकार पर लाकडाउन में श्रमिकों की मदद के लिए आगे नहीं आने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसने मजदूरों के लिए राष्ट्रव्यापी ठोस नीति नहीं बनाई वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने कांग्रेस द्वारा की जा रही मजदूरों की मदद में अड़ंगा डाला। श्री पायलट ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस ने मजदूरों की मदद की पेशकश की और एक हजार बसों का इंतजाम किया लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने बहाना बना कर उसे अनुमति नहीं दी। अनुमति दी भी गई तो कहा गया कि पहले बसों को लखनऊ भेजा जाए। बहाने बनाए गए, बसों में कमी निकाली गई और कांग्रेस नेताओं पर मुकदमे दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि मदद लेने से कोई छोटा नहीं होता, उत्तर प्रदेश सरकार के इस रवैये को दुनिया ने देखा है। उत्तर प्रदेश सरकार का जो रवैया रहा है उसकी भर्त्सना करते हैं। कांग्रेस ने जो पहल की गई, उसे नकारा गया है। उन्होंने कहा कि पहली बार देखने में आ रहा है कि सत्ताधारी लोग विपक्ष पर आरोप लगा रहे हैं और वह भी मदद के मामले में। उन्होंने कहा कोरोना वायरस के चलते लागू लाकडाउन में लाखों श्रमिक लोग अलग अलग राज्यों में भूखे प्यासे पैदल चलने को मजबूर हो गए। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने निर्णय लिया कि श्रमिकों को घर पहुंचाने का खर्चा कांग्रेस वहन करेगी, इसके बाद हलचल बढ़ी, इससे पहले कोई व्यवस्था नहीं थी। केंद्र के पास मजदूरों के लिए कोई ठोस नीति नहीं है, कांग्रेस की पहल पर केन्द्र ने श्रमिकों के लिए व्यवस्था की। इस अवसर पर राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि मजदूरों की मदद के लिए कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश सीमा पर 1032 बसें भेजी लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली।

अम्फानः भारत को 5 लाख यूरो की मदद देगा EU

ब्रसेल्स । भारत और बांग्लादेश में पिछले दिनों तबाही मचाने वाले चक्रवात अम्फान के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए यूरोपियन यूनियन ने मदद की पेशकश की है। **EU** ने शुक्रवार को ऐलान किया है कि भारत को अम्फान चक्रवात से हुए नुकसान के लिए उसकी ओर से 5,00,000 यूरो की मदद दी जाएगी। आपदा प्रबंधन के **EU** कमिश्नर जनेज लेनारसी ने यह ऐलान किया। जनेज ने कहा कि यह तूफान ऐसे वक्त में आया है जब कोरोना वायरस को रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बेहद जरूरी है। यह एक आपदा के ऊपर दूसरी आपदा है एक बयान में उन्होंने कहा, पूर्वी भारत के कोलकाता में दक्षिण पश्चिमी तट पर आए चक्रवात अम्फान के कारण दर्जनों लोगों ने अपने घर खो दिए। यह अब बांग्लादेश में उत्तरपूर्व की ओर से तबाही और बाढ़ फैलाते हुए जा रहा है। उन्होंने कहा, मेरी सांत्वना उन सभी बहादुर लोगों के साथ है जो अम्फान से प्रभावित हुए हैं, खासकर वे जिन्होंने अपनों को खो दिया है। मुझे भारत और बांग्लादेश में हुई मौतों और तूफानी हवाओं, बाढ़, भूस्खलन की वजह से हुए नुकसान के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ है।

कोरोना के बीच अम्फान

बता दें कि चक्रवात 'अम्फान' ने पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता सहित राज्य के आधा दर्जन जिलों में तबाही के दृश्य छोड़े हैं, जहां कई बसें और टैक्सी आपस में टकरा गईं, मछली पकड़ने की छोटी नौकाएं उलट गईं और शहर के जलमग्न हो चुके हवाईअड्डे पर विमान हिलतेडुलते दिखे। देश के अन्य राज्यों की तरह पश्चिम बंगाल भी कोरोना वायरस महामारी से निपटने की जद्दोजहद में जुटा हुआ था, लेकिन 190 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आये चक्रवाती तूफान ने न सिर्फ राजधानी कोलकाता को बल्कि करीब दर्जन भर जिलों को भी झकझोर कर रख दिया।

कांग्रेस और विपक्ष कर रहे हैं पाखंड : भाजपा

कांग्रेस द्वारा विपक्षी पार्टियों की बुलाई गई बैठक पर भड़की भाजपा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कांग्रेस पार्टी पर पलटवार करते हुए करारा हमला बोला है। साथ ही कहा कि

जनता से कट चुका विपक्ष हताश व निराश है। जब पूरे देश को एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लडनी चाहिए तब विपक्षी दल लगातार अपने नकारात्मक राजनीति का परिचय दे रहे हैं। कांग्रेस द्वारा कुछ विपक्षी पार्टियों की बुलाई गई आज की बैठक इसी नकारात्मक राजनीति का परिचायक है। ऐसा करके ये पाखंड कर रहे हैं। भाजपा कांग्रेस की इस तरह की राजनीति की कड़ी भर्त्सना करते हैं।

पत्रकारों से बातवीत करते हुए भाजपा नेता जावड़ेकर ने कहा कि

जब पूरा देश कारोना से लड़ रहा है तो विपक्ष नकारात्मक राजनीति पर उतरा

कांग्रेस और उसके सहयोगी दल पहले केंद्र सरकार से पूछते थे कि लॉकडाउन क्यों नहीं बढ़ा रहे हो, अब पूछ रहे हैं कि लॉकडाउन बढ़ा क्यों रहे हो? पहले ये कहते थे कि लोगों को अपने प्रदेश क्यों नहीं जाने दे रहे, अब जबकि लगभग 50 लाख लोग अपनेअपने प्रदेशों में पहुंचे हैं तब ये चंद बसें भिजवाकर राजनीति करने में लगे जाते हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस को मात देने के लिए जोजो कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने उठाये हैं, उसकी पूरी दुनिया में प्रशंसा हो रही है। इतना बड़ा देश होने के बावजूद यदि दुनिया में सबसे कम नुकसान कहीं हुआ है तो वह भारत है।

जावड़ेकर ने कहा कि कांग्रेस कोऑपरेटिव फेडरेलिज्म की बात करती है, लेकिन कांग्रेस की राज्य सरकारों और आज की बैठक में बंगाल सहित शामिल विपक्षी दलों की सरकारों का यह आलम है कि प्रवासी कामगारों को अपने प्रदेश भेजने के लिए जितनी ट्रेनों की जरूरत है, उसकी भी परमिशन नहीं दे रहे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर ने कांग्रेस पार्टी से सवाल पूछा कि कांग्रेस ने 10 साल के यूपीए शासन में केवल एक बार किसानों का 70000 करोड़ रुपये का कर्जा माफ़ किया था। मोदी सरकार हर साल किसानों के एकाउंट में 70,000 करोड़ रुपये डाल रही है तो कांग्रेस यह किस तरह की राजनीति कर रही है। हर क्षेत्र में मोदी सरकार ने कांग्रेस की सरकारों की तुलना में कई गुना ज्यादा काम किया है लेकिन कांग्रेस केवल आरोप लगाकर भागने में यकीन रखती है क्योंकि उसके पास बताने को कुछ नहीं है।

उन्होंने कहा कि देश कांग्रेस की इस तरह की नकारात्मक राजनीति को कभी भी स्वीकार नहीं करेगा। देश की कांग्रेस और उसके सहयोगियों के साथ नहीं है।

देश की जनता हर कदम पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार के साथ है, लेकिन केवल नकारा राजनीति करने वाले विपक्ष के पास कोई एजेंडा नहीं है, इसलिए कांग्रेस इस तरह की निम्न स्तर की राजनीति कर रही है।क